RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 215 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 03-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 घुसपैठियों को शरण दे रही ममता बनर्जी सरकार: शिवराज सिंह चौहान

6 युद्ध से आर्थिक संकट और बिगड़ता सामाजिक ताना बाना

7 'जलसा' सिर्फ घर नहीं, लाखों दिलों का आशीर्वाद है : अमिताभ बच्चन

रंगों से सराबोर भाईचारे के त्यौहार होली के अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं हितैषियों को अनेकानेक बधाइयां।

\- व्यवस्थापक

कनाडा का निवेश भारत की आर्थिक प्रगति में उनके गहरे और अटूट विश्वास का प्रतीक

- भारत-कनाडा के बीच 2.6 अरब डॉलर का यूरेनियम सौदा
- व्यापक व्यापार समझौते को पूरा करने का संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और कनाडा ने सोमवार को कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों के एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए यूरेनियम और महत्वपूर्ण खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी ने द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए सहयोग की एक महत्वाकांक्षी रणनीति को अंतिम रूप दिया। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत इस वर्ष के अंत तक 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' (सीईपीए) को संपन्न करने और वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय वार्षिक व्यापार को वर्तमान के 13 अरब डॉलर से बढ़ाकर 50 अरब डॉलर के पार ले जाने का संकल्प व्यक्त किया गया है। इसके अलावा दोनों देशों ने 2.6 अरब डॉलर के महत्वपूर्ण यूरेनियम समझौते पर भी हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं के बीच हुई यह व्यापक वार्ता इस मायने में अत्यंत महत्वपूर्ण है कि यह संबंधों में आए एक लंबे गतिरोध के बाद हो रही है।

वर्ष 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की संभावित संलिप्तता के निराधार आरोपों के बाद दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। उस समय उपजी तल्खी ने व्यापारिक और कूटनीतिक संवाद को लगभग बाधित कर दिया था।

हालांकि, पिछले वर्ष मार्च में मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद से दोनों पक्षों ने संबंधों के पुनर्निर्माण और विश्वास बहाली के लिए उपायों की एक निरंतर श्रृंखला शुरू की।

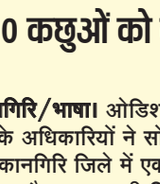

आज की बैठक इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि दोनों देशों के संबंध अब उस अस्थिरता के दौर से बाहर निकलकर अधिक परिपक्व, स्थिर और भविष्योन्मुखी चरण में प्रवेश कर चुके हैं।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए दोनों देशों ने एक नयी रणनीतिक ऊर्जा साझेदारी की घोषणा की। इसके प्रथम चरण के अंतर्गत, भारत सरकार और सस्काटून (कनाडा) स्थित प्रमुख कंपनी 'कैमेको' के बीच 2.6 अरब डॉलर के एक वृहद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार, कैमेको वर्ष 2027 से 2035 के बीच भारत को लगभग 2.2 करोड़ पाउंड यूरेनियम की आपूर्ति करेगी, जो भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए ईंधन की निरंतरता सुनिश्चित करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, नागरिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में हमने दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हम छोटे और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर (एसएमआर) तथा उन्नत रिएक्टर की प्रौद्योगिकी पर भी साथ मिलकर काम करेंगे।

महिला सशक्तीकरण सिर्फ सरकार का ही नहीं, बल्कि सबका कर्तव्य : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला सशक्तीकरण को समाज के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताते हुए सोमवार को कहा कि महिलाएं आज सेना, विज्ञान, खेल, राजनीति, प्रशासन और व्यापार सहित हर क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालांकि उन्हें हिंसा, आर्थिक असमानता, सामाजिक उपेक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिन्हें दूर करना आवश्यक है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि आधी आबादी के सशक्त हुए बिना यह लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता।

दिल्ली सरकार के सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने स्त्री और पुरुष को जीवन रूपी रथ के दो पहिए बताते हुए कहा कि दोनों के समान रूप से सशक्त होने पर ही राष्ट्र प्रगति कर सकता है।

- राष्ट्रपति ने स्त्री और पुरुष को जीवन रूपी रथ के दो पहिए बताते हुए कहा कि दोनों के समान रूप से सशक्त होने पर ही राष्ट्र प्रगति कर सकता है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी 'पिंक नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' और दिल्ली सरकार की तीन अन्य महिला-केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत करते हुई की।

मुर्मू ने कहा कि 'मेरी पूंजी, मेरा अधिकार', सहेली स्मार्ट कार्ड और दिल्ली लखपति बिटिया जैसी योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

राष्ट्रपति ने दिल्ली सरकार की महिला सशक्तीकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल, दिल्ली लखपति बिटिया योजना, होली एवं दिवाली पर निःशुल्क गैस सिलेंडर योजना और सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड की औपचारिक शुरुआत की। साथ ही, लाडली योजना के अंतर्गत 40,642 बालिका लाभार्थियों के खातों में 100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि भी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से स्थानांरित किए गए।

फर्स्ट टेक

भगवान जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची 25 मार्च से तैयार की जाएगी

पुरी/भाषा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने सोमवार को निर्णय लिया कि 12वीं शताब्दी के मंदिर में 48 वर्षों के अंतराल के बाद 25 मार्च से रत्न भंडार (कोषागार) की बहुप्रतीक्षित सूची तैयार करने का कार्य शुरू किया जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (एसजेटीएमसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने संवाददाताओं को बताया, ''रत्न भंडार की सूची तैयार करने का कार्य 25 मार्च को दोपहर 12:12 बजे से अपराह्न 1:45 बजे के बीच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।''

ओडिशा के मलकानगिरि में 210 कछुओं को बचाया गया

मलकानगिरि/भाषा। ओडिशा के वन विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को मलकानगिरि जिले में एक वाहन से कथित तौर पर तस्करी किए जा रहे 210 कछुओं को बचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मलकानगिरि के संभागीय वन अधिकारी साई करण ने पत्रकारों को बताया कि तलाशी अभियान के दौरान, वनकर्मियों ने जंगल के अंदर एक कार को रोका और उसमें से 10 बोरियों में रखे गए कछुए बरामद किए।

युद्ध केवल मानवता की भलाई के लिए होना चाहिए : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सोमवार को विश्व में शांति का आह्वान करते हुए कहा कि युद्ध केवल मानवता की भलाई और सत्य के लिए होना चाहिए, न कि ''स्वार्थ'' सिद्धि के लिए।

आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार एवं मीडिया विभाग के प्रमुख सुनील आंबेकर ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, पश्चिम एशिया में मौजूदा स्थिति के कारण विदेशों में विभिन्न स्थानों पर फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। अमेरिका और इजराइल

ने सप्ताहांत में ईरान पर समन्वित हमले किए थे, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और कई अन्य शीर्ष नेता मारे गए। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए खाड़ी क्षेत्र में इजराइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं, साथ ही दुबई को भी निशाना बनाया।

मौजूदा हालात पर आंबेकर ने कहा, ''दुनिया में बहुत कुछ हो रहा है। युद्ध हो रहे हैं। अगर इनका शांतिपूर्ण समाधान निकल आए तो निश्चित रूप से अच्छा होगा। भारत हमेशा से दुनिया में शांति और प्रगति चाहता है।'' आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, ''अगर कोई युद्ध होता है, तो वह मानवता की भलाई और सत्य के लिए होना चाहिए, न कि स्वार्थ सिद्धि के लिए... हम चाहते हैं कि पूरी दुनिया में शांति स्थापित हो।''

आंबेकर ने पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात के चलते विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''युद्ध के कारण भारतीय दुनिया के विभिन्न हिस्सों में फंसे हुए हैं।

रुपया 42 पैसे की भारी गिरावट के साथ 91.50 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के कारण वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की धारणा प्रबल होने से सोमवार को रुपया 42 पैसे की भारी गिरावट के साथ 91.50 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इन सैन्य हमलों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है और अमेरिकी मुद्रा की मांग में तीव्र वृद्धि हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और विदेशी कोषों की निकासी ने भारतीय मुद्रा पर दबाव को और बढ़ा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.23 पर खुला और कारोबार के दौरान इसने 91.65 का निचला स्तर छुआ। अंत में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 42 पैसे की बड़ी गिरावट दर्ज करते हुए 91.50 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

दुनिया में अशांति, अस्थिरता और संघर्ष देखा जा रहा है, वहीं भारत स्थिर है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि जहां दुनिया में अशांति, अस्थिरता और संघर्ष देखा जा रहा है, वहीं भारत स्थिर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति कर रहा है।

यहां पांडेहाटा में श्री श्री होलिका दहन उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'भक्त प्रह्लाद शोभायात्रा' के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहार तभी खुशी लाते हैं जब शांति और सद्भाव से मनाया जाए। उन्होंने कहा, ''आज दुनिया के कई हिस्सों में उथल-पुथल, अशांति और अराजकता है। लेकिन हर भारतीय को गर्व हो सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और दुनिया के सामने 'न्यू इंडिया' का दृष्टिकोण पेश कर रहा है।''

आदित्यनाथ की ये टिप्पणी पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद बढ़े हुए वैश्विक तनाव की पृष्ठभूमि में आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'न्यू इंडिया' समाज के सभी वर्गों के लिए अवसर और उत्सव दोनों प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से सम्मान पूर्वक होली मनाने की अपील करते हुए कहा कि होलिका दहन इस तरीके से किया जाना चाहिए कि इससे किसी को असुविधा न हो या किसी की संपत्ति को नुकसान न हो।

सूर्यास्त 03-03-2026 6:28 बजे	सूर्योदय 04-03-2026 6:34 बजे
BSE 80,238.85 (-1,048.34)	NSE 24,865.70 (-312.95)
सोना 17,821 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 305,070 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फितरत हमारी

कितने ही कानून बना दो,
हम धाराएं तोड़ेंगे।
चाहे भर देंगे जुर्माना,
या ले-दे के छोड़ेंगे।
किनकी जेबें होंगी भारी,
किनके बाल झिंझोड़ेंगे।
सिस्टम के नाकारापन पर,
सिर्फ ठीकरा फोड़ेंगे।।

इजराइली, अमेरिकी विमानों के ईरान पर बमबारी के बीच युद्ध का दायरा बढ़ा

- ईरान-इजराइल संघर्ष कई मोर्चों पर फैला, क्षेत्र में पूर्ण युद्ध जैसे हालात
- कुवैत ने गलती से तीन अमेरिकी एफ-15ई लड़ाकू विमान मार गिराए
- तेल और गैस प्रतिष्ठान बने निशाना, वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान और उसके सहयोगी सशस्त्र समूहों ने सोमवार को इस क्षेत्र में इजराइल, अरब देशों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, जबकि इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर बमबारी की जिसके साथ ही युद्ध अब कई मोर्चों पर फैल गया है। इस बीच कुवैत ने गलती से अपने आसमान में तीन अमेरिकी युद्धक विमानों को मार गिराया।

दोनों पक्षों के हमलों की तीव्रता, ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और किसी स्पष्ट निकास योजना के अभाव से संकेत मिलता है कि संघर्ष जल्द समाप्त नहीं

होने वाला। इसके दूरगामी परिणाम पूरे क्षेत्र और उससे परे भी देखने को मिल रहे हैं: दुबई जैसे पश्चिम एशिया के सुरक्षित ठिकाने भी अब हमलों की चपेट में आ गए हैं; दुनिया भर में लाखों हवाई यात्री फंसे हुए हैं; तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं; और अमेरिकी सहयोगियों ने ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में मदद करने का वादा किया है। ईरान ने लंबे समय से धमकी दी है कि अगर हमला हुआ तो इस क्षेत्र को वह पूर्ण युद्ध में घसीटेगा, जिसमें इजराइल, खाड़ी देशों और वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए महत्वपूर्ण कच्चे तेल की आपूर्ति को निशाना बनाना शामिल है। सोमवार को इन सभी चीजों पर हमला हुआ।

'कतर एनर्जी' ने संघर्ष के कारण तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलपीजी) का उत्पादन बंद करने की घोषणा की है, जिससे दुनिया के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक बाजार से बाहर हो जाएगा। कंपनी ने उत्पादन बहाल करने के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई है। संघर्ष की अराजकता तब स्पष्ट हो गई जब अमेरिकी सेना ने कहा कि कुवैत ने एक युद्ध अभियान के दौरान तीन अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमानों को गलती से मार गिराया, जबकि ईरानी विमानों, बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले जारी थे।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि सभी छह पायलट सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकल गए और उनकी हालत स्थिर है। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, अमेरिका-इजराइल अभियान में ईरान में अब तक कम से कम 555 लोग मारे जा चुके हैं और देश भर के 130 से अधिक शहर हमलों की चपेट में आ चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, इजराइल में 11 लोग मारे गए हैं, जबकि लेबनान में 31 लोगों की जान गई है।

'आदि' से 'मणि' तक गुरु गुणों का गान

आचार्य श्री जिन मणिप्रभसूरी का अवतरण दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में पूज्य मलयप्रभ सागर जी म. सा. वश्री मुकुलप्रभ सागर जी की निश्रा में अवंति तीर्थोद्धारक, खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी का 66 वां अवतरण दिवस गुरु गुणों की वन्दना करके मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में दादा ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने गुरुदेव के चरणों में भावपूर्ण वंदना अर्पित की और सभी पधारे हुए सदस्यों का स्वागत किया।

ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने अपने संदेश में कहा कि गच्छाधिपति जी की बेंगलूरु सकल संघ के ऊपर विशेष कृपा दृष्टि रही है। प्रवक्ता अरविंद कोठारी ने बताया

कि गुरुदेव के ही आकर्षण और प्रयासों से गच्छ में सिर्फ साधुओं की संख्या एक शतक पर पहुंचने जा रही है और अनेकों साध्वी वर्याओं को गुरुदेव के वरदहस्त से ही दीक्षा प्राप्त हुई है। खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेंद्र गुलेच्छा ने गुरुदेव के जीवन पर आधारित सुंदर गीतिका प्रस्तुत की।

ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि गुरुदेव के साधना बल और आत्मिक बल से अनेक श्रद्धालुओं पर अमीदृष्टि और कृपा बरस रही है। इस विशेष अवतरण दिवस पर उपकारी गुरु भगवंत के चरणों में सामूहिक सामायिक की आराधना साधना के भाव पुष्प अर्पण किया गया। इस पावन दिवस पर जोधपुर से आए सोहन मेहता ने परमात्मा 'आदिनाथ से महावीर और गुरुदेव मणिप्रभ सागर जी तक' के जिनशासन में योगदान विषय पर अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि आदिनाथ इस युग के प्रथम वैज्ञानिक थे जिन्होंने हमें असि, मसि और कृषि की शिक्षा दी। परमात्मा महावीर ने आज से 2600 वर्ष पूर्व हमें हमारी जीवन शैली कैसी होनी चाहिए इस बारे में बताया। मलयप्रभ सागर जी और मुकुलप्रभ सागर जी ने अपने जीवन को सजाने संवारने में गुरुदेव के योगदान की बातें और अनछुए पहलुओं के बारे में बताया। कार्यक्रम में पवनी बाफना और यशोदा गुलेच्छा ने भी गुरुदेव के जीवन और उनके उपकारों के बारे में बताया।

पालघर की रासायनिक इकाई से जहरीली गैस का रिसाव, 2600 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र में पालघर जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक रासायनिक इकाई से सोमवार दोपहर को ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ, जिसके बाद 1600 स्कूली छात्रों समेत 2600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोगों को आंखों में मामूली जलन की शिकायत हुई। उन्होंने बताया कि मुंबई के बाहरी इलाके में बोइसर एमआईडीसी क्षेत्र में स्थित इकाई के पांच किलोमीटर के दायरे में ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ, जिसके चलते एहतियात के तौर पर लोगों को वहां से निकाला गया।

अपराह्न करीब दो बजे भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड की इकाई में हुए रिसाव से सफेद धुएं का एक घना बादल बन गया जो हवा की गति के कारण तेजी से फैल गया, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले निवासियों और श्रमिकों के बीच

दहशत फैल गई।गैस रिसाव के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है।व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रही पालघर जिले की कलेक्टर डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने कहा कि आपदा प्रबंधन योजना को तुरंत सक्रिय कर दिया गया है।

प्रशासन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया, यह रिसाव 2,500 लीटर क्षमता वाले ओलियम डे टैंक से हुआ। हवा की दिशा के कारण धुआं आसपास के इलाकों में फैल गया, जिससे लगभग पांच किलोमीटर के दायरे पर असर पड़ा।

एहतियात के तौर पर, अधिकारियों ने स्थानीय स्कूल तारापुर विद्यामंदिर से 1,600 छात्रों को तत्काल निकालने का आदेश दिया। इसके अलावा, भागेरिया इंडस्ट्रीज और आसपास की कंपनियों के 1,000 से अधिक श्रमिकों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

दो हजार के 98.44 प्रतिशत नोट वापस आए : आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि 2,000 रुपए के 98.44 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई के सोमवार को जारी बयान के अनुसार, 19 मई, 2023 को जब यह घोषणा की गई थी, तब बाजार में 2,000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था। 28 फरवरी, 2026 को कारोबार बंद होने तक यह घटकर 5,551 करोड़ रुपए रह गया। रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों (आरबीआई निर्गम कार्यालय) में 19 मई, 2023 से 2000 रुपए के नोट बदलने की सुविधा उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से आरबीआई के निर्गम कार्यालय व्यक्तियों और संस्थाओं से 2,000 रुपए के नोट उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी स्वीकार कर रहे हैं।

ईपीएफओ ने कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा

नई दिल्ली/भाषा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब ब्याज दर को इस स्तर पर रखा गया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। ईपीएफओ ने 2024 में ब्याज दर को बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी। श्रम मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में सोमवार को केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.25 प्रतिशत का ब्याज देने की सिफारिश की है। ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सीबीटी की सिफारिश पर वित्त मंत्रालय मंजूरी देगा। सरकार द्वारा ब्याज दर आधिकारिक रूप से अधिसूचित करने के बाद ईपीएफओ अंशधारकों के खातों में ब्याज जमा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, ईपीएफओ ने मजबूत वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। इससे ब्याज खाते पर दबाव डाले बिना स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न सुनिश्चित किया जा रहा है।

आबकारी मामले में केजरीवाल, अन्य को बरी करने का विशेष अदालत का आदेश अवैध : सीबीआई

नई दिल्ली/भाषा। आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य को बरी करने वाले विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए, सीबीआई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि यह आदेश अभियोजन पक्ष के मामले की चुनिंदा व्याख्या पर आधारित था, जिसमें आरोपियों की संलिप्तता दर्शाने वाली सामग्री को नजरअंदाज किया गया था, और यह स्पष्ट रूप से अवैध था। उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी 974 पृष्ठों की याचिका में, सीबीआई ने कहा कि विशेष न्यायाधीश ने अनिवार्य रूप से एक संक्षिप्त सुनवाई की, जिसमें आरोपियों के कार्यों का समग्र रूप से आकलन करने के बजाय साजिश के अलग-अलग पहलुओं से अलग-अलग निपटा गया। इस आदेश को विकृत बताते हुए एजेंसी ने कहा कि इसमें स्पष्ट त्रुटियां हैं, यह तथ्यों की गलत व्याख्या पर आधारित है और आरोप तय करने के चरण से संबंधित उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों/निर्देशों का उल्लंघन करता है।

दौरा

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला सोमवार को हैदराबाद के विकाराबाद जिले में पहुंचे।

भाजपा सरकार लक्ष्य बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का लक्ष्य बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का है। गुप्ता ने कहा कि सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर उनकी सरकार एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रही है जो राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगी।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, गुप्ता ने यह टिप्पणी उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में केंद्रीय विद्यालय के अस्थायी भवन का उद्घाटन करने और इसके स्थायी भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन करने के बाद की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इलाके में लंबे समय से अच्छी शैक्षणिक सुविधाओं की कमी थी और अब तक यह क्षेत्र मात्र एक केंद्रीय विद्यालय पर निर्भर था। उन्होंने बताया कि नए केंद्रीय विद्यालय के बनने से बच्चों को बेहतर और आधुनिक शिक्षा मिलेगी और पूरे क्षेत्र में शिक्षा का

माहौल भी सुधरेगा व सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया, सरकार का लक्ष्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगी। बयान के मुताबिक, इस नए विद्यालय के संचालन के साथ ही दिल्ली में केंद्रीय विद्यालयों की कुल संख्या बढ़कर 47 हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 'ट्रिपल इंजन सरकार' के समन्वित प्रयासों से शिक्षा, सड़क, पेयजल, सीवर, फ्लाईओवर, फुटओवर ब्रिज, अस्पताल और अन्य बुनियादी विकास परियोजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है और इनका प्रत्यक्ष लाभ आम जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्रीय विद्यालय के निर्माण से क्षेत्र के बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध होगी और यह संस्थान आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र, दिल्ली सरकार और नगर निगम के समन्वित कार्य के कारण विकास कार्यों में गति आई है और इसका लाभ सीधे जनता तक पहुंच रहा है। गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि करावल नगर क्षेत्र में मेट्रो परियोजना शीघ्र शुरू होने वाली है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह केवल एक विद्यालय का उद्घाटन नहीं, बल्कि उस क्षेत्र के समग्र विकास का नया अध्याय है, जो वर्षों तक बुनियादी शैक्षणिक अवसंरचना की कमी से जूझता रहा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक शिक्षा का विकास सीमित क्षेत्रों तक ही दिखाई देता था।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि 27 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बनी भाजपा सरकार ने इस दिशा में ठोस पहल करते हुए दूसरा केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने का कार्य किया है।

दादी भक्तों ने खेली चन्दन की होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में रांका कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन श्री सालासर बालाजी मंदिर के हॉल में रविवार को चन्दन की होली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दादीजी का भव्य दरबार सजाया गया।

सर्वप्रथम सालासर बालाजी मंदिर के उपाध्यक्ष सतीश मित्तल, समिति के अध्यक्ष शिवकुमार संतोष टेकड़ीवाल, प्रकाश चौधरी, कार्यक्रम संयोजक रचना डालमिया, दीपेश बंसल, राघव चौधरी ने विधिवत पूजन कर हनुमान चालीसा के पाठ के साथ चन्दन की होली कार्यक्रम की शुरुआत की। ङ्कदादीजी के भजनों व धमाल पर अलका खेड़वाल, रामसुंदर बगड़िया, अनूप अग्रवाल द्वारा प्रस्तुति देने पर भक्त भावविभोर हो गए। सभी भक्तों ने गंगाजल व चन्दन लगाकर हॉल में होली खेलकर आनंद लिया। इस अवसर पर मनीत सोमानी, संजय नोपानी, संजीव खेतान, विनय राय, रामबिलास अग्रवाल, किशोरीलाल लोहिया, गोपाल लाठ सहित काफी संख्या में भक्त उपस्थित थे। दादीजी रसोई (प्रसाद) एवं आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सचिव संजय चौधरी ने आभार प्रकट किया। संचालन शिवकुमार टेकड़ीवाल ने किया।

साइबर अपराध की तुरंत सूचना देने से त्वरित जांच संभव : गुजरात डीजीपी

राजकोट/भाषा। गुजरात के पुलिस महानिदेशक के. एल. एन. राव ने कहा है कि यदि साइबर अपराध की घटनाओं की तुरंत सूचना दी जाए, तो पुलिस समय पर कार्रवाई कर सकती है और इससे ठगी गई रकम वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

राव ने अपराध के संदर्भ में रविवार को राजकोट में आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता की और राज्य भर में साइबर अपराध की स्थिति, सड़क दुर्घटनाओं और मादक पदार्थों के दुरुपयोग की समीक्षा की। उन्होंने सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नागरिकों को उपलब्ध हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा, ''साइबर अपराध के मामलों में यदि नागरिक घटना की तुरंत सूचना दें, तो त्वरित कार्रवाई की जा सकती है। 'गोल्डन आवर' के दौरान तुरंत कदम उठाना बेहद महत्वपूर्ण होता है।''

राव ने कहा कि पुलिस को जितनी जल्दी सूचना दी जाएगी, वे (पुलिसकर्मी) उतनी ही तेजी से कार्रवाई शुरू कर सकेंगे, जिससे ठगी गई राशि वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

पुलिस महानिदेशक ने गुजरात में हाल की बम धमकियों और इस संबंध में की जा रही साइबर जांचों पर कहा कि अपराध शाखा और ''साइबर दक्षता केंद्र'' के साथ अन्य विशेषज्ञ इकाइयां भी इन मामलों की सक्रिय रूप से जांच कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, ''चाहे फर्जी कॉल हों, साइबर धोखाधड़ी हो, फर्जी पहचान या संगठित डिजिटल घोटाले हों, हम इनके तौर-तरीकों की पहचान कर रहे हैं और कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं।''

राव ने बताया कि बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा भी एक प्रमुख मुद्दा रहा, जिसमें दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए निवारक रणनीतियों और इनके सख्त अनुपालन पर चर्चा हुई।

डीजीपी ने कहा, ''हमने सड़क हादसों को कम करने के उपायों की समीक्षा की और मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने के लिए समन्वित कदमों पर चर्चा की।

होली

वडोदरा में सोमवार को वडोदरा के एक स्कूल में इको-फ्रेंडली प्री-होली सेलिब्रेशन के दौरान बच्चे फूलों की पंखुड़ियों से खेलते हुए।

खामेनेई की हत्या के विरोध में कश्मीर में प्रदर्शन, लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए गए

श्रीनगर/भाषा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में कश्मीर के कई हिस्सों में सोमवार को विरोध प्रदर्शन के कारण प्राधिकारियों ने लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया और मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमलों में रविवार को खामेनेई की मौत हो गई, जिसके विरोध में कश्मीर घाटी में लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन हो रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, शहर के बेमिना, गुंड हसीभट और जहांगीर चौक इलाकों में तथा दक्षिण कश्मीर के पुलवामा कस्बे में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे।

शिया बहुल इलाकों में सैकड़ों प्रदर्शनकारी जमा हुए। उन्होंने सड़कों पर मार्च किया और अमेरिका तथा इजराइल के विरोध में नारेबाजी की।कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्के बल का प्रयोग किया।विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए कश्मीर के कुछ हिस्सों में लोगों की आवाजाही पर कड़ी पाबंदियां लगा दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि लाल चौक स्थित प्रतिष्ठित घंटाघर को चारों ओर अवरोधक लगाकर सील कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों

के जमावड़े को रोकने के लिए शहर भर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों को तैनात किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण चौराहों पर कंटीले तार और अवरोधक लगाए गए हैं। घाटी के अन्य जिलों में शिया बहुल क्षेत्रों में भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। ये प्रतिबंध मुताहिदा मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक द्वारा दिए गए एक दिवसीय हड़ताल के आह्वान के मद्देनजर लगाए गए हैं। विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती सहित कई राजनीतिक दलों ने एमएमयू की हड़ताल के आह्वान का समर्थन किया। महबूबा ने कहा, ''ईरान के सर्वोच्च नेता की शहादत पर मीरवाइज उमर फारूक द्वारा किए गए बंद के आह्वान के प्रति हम अपना पूर्ण समर्थन और हम अपना पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त करते हैं। यह शोक का दिन है, जो दुनिया को याद दिलाता है कि कहीं भी होने वाला अन्याय संपूर्ण मुस्लिम समुदाय और सत्य के लिए खड़े सभी लोगों को आहत करता है।''

वर्ष 2008 के परमाणु करार के कारण संभव हुआ भारत-कनाडा यूरेनियम समझौता : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि वर्ष 2008 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अमेरिका के साथ परमाणु करार के कारण आज यूरेनियम की आपूर्ति तथा छोटे रिएक्टरों के निर्माण को लेकर कनाडा के साथ समझौता संभव हो पाया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात का भी उल्लेख किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष में रहते हुए भारत-अमेरिका परमाणु करार का विरोध किया था।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत और कनाडा ने यूरेनियम की आपूर्ति और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर के निर्माण में सहयोग पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। तारापुर में अमेरिकी कंपनी जीई द्वारा आपूर्ति किए गए भारत के पहले वाणिज्यिक परमाणु रिएक्टर के बाद, कनाडा कलपक्कम और अन्य स्थानों पर भारी जल रिएक्टर स्थापित करने में भारत की सहायता कर रहा था।'' उन्होंने कहा, ''18 मई, 1974 को पोखरण में शांतिपूर्ण परमाणु विस्फोट के बाद यह सहायता रोक दी गई थी। इन रिएक्टरों को वास्तव में कनाडा ड्यूटेरियम यूरेनियम के लिए 'कैनडू' रिएक्टर कहा जाता था।'' रमेश ने कहा कि कनाडा और भारत ने आज जिस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, वह केवल अक्टूबर, 2008 में हस्ताक्षरित भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के कारण ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, ''यह समझौता पूरी तरह से डॉ. मनमोहन सिंह के अडिग रहने और दृढ़ विश्वास के कारण हुआ था। इस समझौते का तब भाजपा ने पुरजोर विरोध किया था।''

पता नहीं चल रहा है कि राजग का नेतृत्व कौन कर रहा है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में यह पता नहीं चल पा रहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कौन कर रहा है, क्योंकि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोनों ही अलग-अलग बयान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने एक मार्च को मदुरै में राजग की रैली में प्रधानमंत्री द्वारा दिये गये भाषण को निशाना बनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने राजग सरकार बनाने की बात कही, जबकि राज्य में राजग का नेतृत्व करने का दावा कर रहे अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि अन्नाद्रमुक सरकार बनाएगी।

स्टालिन ने यहां 'द वीक तमिलनाडु लीडरशिप समिट' में कहा, ''पलानीस्वामी के मंचासीन रहने के दौरान, प्रधानमंत्री ने राजग सरकार बनाने की बात कही। जान पड़ रहा है कि यह एक ऐसा गठबंधन है जिसे खुद भी नहीं पता कि किसका नेतृत्व कौन कर रहा है। यही वजह है कि जब मैंने अपना चुनावी अभियान शुरू किया था, तब मैंने कहा था कि आगामी चुनाव राजग बनाम तमिलनाडु होगा।'' उन्होंने कहा कि लेकिन कुछ लोगों ने तमिलनाडु में चुनावी लड़ाई को तमिलनाडु (सत्तारूढ़ द्रमुक) और राजग के बीच का मुकाबला बताने को लेकर उनकी आलोचना की।

मुख्यमंत्री ने कहा, जब भी प्रधानमंत्री या गृह मंत्री अमित शाह राज्य का दौरा करते हैं, वे मेरी बात की पुष्टि कर देते हैं: तमिलनाडु टीम बनाम दिल्ली टीम। तमिलनाडु निश्चित रूप से जीतेगा और द्रविड़ मॉडल 2.0 सरकार बनेगी। तब हम अपना ही रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

मोदी के इस आरोप का कि द्रमुक सरकार ने मदुरवॉयल एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना में देरी की, स्टालिन ने खंडन करते हुए कहा कि इस परियोजना का विरोध भाजपा की सहयोगी अन्नाद्रमुक ने किया था।

उन्होंने कहा, ''हमने केंद्र सरकार से इस मामले पर बात की और परियोजना शुरू करवाई। अब काम चल रहा है।''

उत्तरी तमिलनाडु में तीन महीने की भीषण गर्मी की चेतावनी, पश्चिमी घाट में मध्यम बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो दिनों में पश्चिमी घाट के जिलों में मध्यम वर्षा का पूर्वानुमान लगाया है, साथ ही उत्तरी तमिलनाडु में अगले तीन महीनों तक चलने वाली भीषण गर्मी की चेतावनी भी जारी की है। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, हालांकि इस वर्ष तमिलनाडु में शीत ऋतु सामान्य से अधिक समय तक चली, लेकिन आगामी ग्रीष्म ऋतु में काफी अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि राज्य के उत्तरी जिलों में तापमान में लगातार वृद्धि होने की संभावना है और इस महीने से लेकर मई तक लू की स्थिति बनी रहने का अनुमान है।

चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बताया कि इस अवधि के दौरान तमिलनाडु में अधिकतम तापमान सामान्य स्तर से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। राज्य के उत्तरी भागों में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है, जिसके चलते अधिकारियों ने निवासियों को गर्मी से संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है। भीषण गर्मी की आशंका के बावजूद, राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश के रूप में राहत मिल सकती है। कोमोरिन सागर और आसपास के क्षेत्रों में बने निम्न दबाव के तंत्र के कारण अगले पांच दिनों तक पश्चिमी घाट के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो सकती है, जिससे मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रहेगा। इसके अलावा बुधवार को दक्षिणी तमिलनाडु के तटीय जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। हालांकि, राज्य के अधिकांश अन्य जिलों में आने वाले दिनों में शुष्क मौसम रहने की आशंका है।

आईएमडी ने यह भी बताया कि पश्चिमी घाट के जिलों के साथ-साथ चेन्नई सहित तटीय क्षेत्रों में सुबह के शुरुआती घंटों में हल्की धुंध या कोहरा देखा जा सकता है। मौसम में बदलाव के दौरान ऐसी स्थितियां आम होती हैं, लेकिन इससे सुबह के समय दृश्यता थोड़ी कम हो सकती है। अधिकारियों ने विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों जैसे कमजोर समूहों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और लंबे समय तक धूप में रहने से बचने का आग्रह किया है क्योंकि तमिलनाडु भीषण गर्मी के मौसम के लिए तैयार हो रहा है।

तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर दीपम विवाद :

स्टालिन ने सरकार के रुख का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर में दीप प्रज्वलन विवाद पर राज्य सरकार के रुख का बचाव करते हुए कहा है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को तिरुप्परनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करने के बाद आई है।

स्टालिन ने एक मार्च को अपने 73वें जन्मदिन पर जारी एक वीडियो में कहा कि उनकी सरकार ने तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर एक पत्थर के स्तंभ पर कार्तिगई दीपम जलाने के विवाद पर अपने रुख का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने मंदिर की परंपरा की रक्षा करने का विकल्प चुना, न कि एक धार्मिक नेता के रूप में।

स्टालिन ने संदेश में कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। तर्क और आस्था के बीच गतिरोध की आवश्यकता नहीं है, दोनों समाज के दो पहलू हैं। मंदिर में रविवार शाम को पूजा-अर्चना के करने के बाद प्रधानमंत्री ने मदुरै में राजग की एक रैली को संबोधित करते हुए द्रमुक सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने सरकार पर तिरुप्परनकुंद्रम दीपम प्रज्वलन मुद्दे पर लोगों की भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता बरतने का आरोप लगाया और कहा कि अंततः श्रद्धालुओं की ही जीत होगी।

तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास स्थित 'दीपथून' (पत्थर के स्तंभ) पर दीप जलाने को लेकर हुए विवाद में मद्रास उच्च न्यायालय ने हिंदुओं को कार्तिगई दीपम महोत्सव के दौरान दीप जलाने की अनुमति दी थी। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने यह कहते हुए इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया था कि इस कदम से दो समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है।

द्रमुक के अध्यक्ष स्टालिन ने अपनी पार्टी द्वारा जारी संदेश में कहा, हमारी मान्यताएं अलग हो सकती हैं लेकिन हम एक ही जमीं पर रहते हैं, एक ही भाषा बोलते हैं और एक ही भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। यही द्रविड़ आंदोलन की धड़कन है।

कन्याकुमारी के भगवती अम्मन मंदिर में वार्षिक 'कोडा' महोत्सव शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोंडाइकाड। तमिलनाडु के मोंडाइकाड स्थित प्रसिद्ध भगवती अम्मन मंदिर में वार्षिक 10 दिवसीय 'कोडा' महोत्सव की शुरुआत पारंपरिक 'कोडियेट्टु' (ध्वज फहराने) समारोह के साथ हुई। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अधिकारियों ने बताया कि यह समारोह 28 फरवरी को सुबह 8:10 बजे आयोजित किया गया था। इस दौरान श्रद्धालुओं ने 'अम्मे शरणम' और 'देवी शरणम' के जयकारे लगाए। इनमें अधिकांश संख्या महिलाओं की थी।

समारोह में मद्रास उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति एल. सी. विक्टोरिया गौरी, कन्याकुमारी की जिलाधिकारी आर. अलागुमीना और देवस्वोम की कार्यकारी अधिकारी ए. झांसी रानी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समुद्र तट पर स्थित इस तीर्थस्थल पर मुख्य 'कोडा' अनुष्ठान 10 मार्च को आयोजित किया जाएगा। अन्य प्रमुख अनुष्ठानों में छह मार्च को वलियापाडुक्का' और आठ मार्च को वलियाथीवत्ती' शोभायात्रा शामिल है। इस महोत्सव का समापन अंतिम दिन मध्यरात्रि में ओदुक्कू पूजा' के साथ होगा। तमिलनाडु और दक्षिणी केरल से आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए राज्य सरकार ने 800 से अधिक पुलिसकर्मी और तटीय पुलिस की एक टुकड़ी तैनात की है।

अशोक लेलैंड की वाहन बिक्री फरवरी में 24 प्रतिशत बढ़कर 22,157 इकाई रही

चेन्नई। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता अशोक लेलैंड की फरवरी, 2026 में कुल बिक्री 24 प्रतिशत बढ़कर 22,157 इकाई रही। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 17,903 वाहन बेचे थे। अशोक लेलैंड ने बयान में कहा कि समीक्षाधीन महीने के दौरान उसकी घरेलू बिक्री 28 प्रतिशत बढ़कर 20,314 इकाई रही, जो फरवरी, 2025 में 15,879 इकाई थी। कंपनी के मुताबिक, घरेलू बाजार में मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (एमएंडएचसीवी) की बिक्री 31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13,264 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 10,110 इकाई थी। बयान में कहा गया है कि पिछले महीने घरेलू बाजार में हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) की बिक्री 7,050 इकाई रही, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 5,769 इकाई था।

सूर्या की अगली तमिल फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' जुलाई में रिलीज होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिल अभिनेता सूर्या की आगामी फिल्म का नाम 'विश्वनाथ एंड संस' रखा गया है, जो जुलाई में सिनेमाघरों में दिखायी देगी। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को इसकी घोषणा की। सितारा एंटरटेनमेंट्स प्रोडक्शन बैनर ने वेंकी अटुलुरी के निर्देशन वाली विश्वनाथ एंड संस' का पहला पोस्टर जारी किया है। अटुलुरी 'लकी भास्कर' का भी निर्देशन कर चुके हैं। यह मुख्य अभिनेता के रूप में सूर्या की 46वीं फिल्म है। फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा पर आधारित है और जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्टूडियो ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा, उनकी उपस्थिति में शक्ति है। उनकी मौजूदगी से अपनेपन का अहसास होता है। एक दिल को छू लेने वाले पारिवारिक ड्रामा में सूर्या का पुराना जादू लौटने वाला है। 'विश्वनाथ एंड संस' साल का सबसे बड़ा पारिवारिक ड्रामा इस साल जुलाई में रिलीज होगा। फिल्म के पोस्टर में सूर्या ने अपनी बाहों में एक मुस्कुराते हुए बच्चे को लिया हुआ है, जो पारिवारिक रिश्तों पर केंद्रित एक भावनात्मक कहानी की ओर इशारा करता है।

'प्रेमुलु' में अपने काम के लिए पहचाने जाने वाली अभिनेत्री ममीथा बैजू फिल्म में सूर्या के साथ अभिनय कर रही हैं। फिल्म में रवीना टंडन, राधिका सरथकुमार, भवानी श्री और ब्योर्न सुरराव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

इस फिल्म का निर्माण नागा वामसी और साई सौजन्या ने संयुक्त रूप से किया है। फिल्म का संगीत जी वी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है, जबकि छायांकन निमिश रवि ने किया है।

मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार, फिल्म की कहानी एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति और एक युवा लड़की के बीच के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें पारिवारिक और भावनात्मक जुड़ाव दिखाया गया है।

कच्चातीवू से रामेश्वरम तक 3,741 तीर्थयात्रियों को भारतीय तटरक्षक बल ने सुरक्षा प्रदान की

चेन्नई। भारतीय तटरक्षक बल ने तमिलनाडु और अन्य राज्यों से कच्चातीवू द्वीप स्थित सेंट एंटनी चर्च के वार्षिक दो दिवसीय उत्सव में गए 3,741 तीर्थयात्रियों को सुरक्षा प्रदान की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यांत्रिक और गैर-यांत्रिक नौकाओं के इस बड़े काफिले को 27 फरवरी को रामेश्वरम से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा तक सुरक्षा घेरे में ले जाया गया। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए तटरक्षक इकाइयों ने श्रीलंकाई नौसेना के साथ समन्वय किया। यह उत्सव भारत और श्रीलंका दोनों के मछुआरा समुदायों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक आस्था का केंद्र है। विज्ञप्ति में कहा गया कि तीर्थयात्री द्वीप पर रात बिताने के बाद तटरक्षक बल की सतही और हवाई निगरानी में सुरक्षित वापस लौट आए। यह अभियान सीमा पार समुद्री तीर्थयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गए विशेष प्रयासों का हिस्सा था।

चेन्नई के मंदिर में हाथियों को पीड़ा से बचाने के लिए मशीनी हाथी का होगा उपयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के श्री शक्ति विनयगर मंदिर में भक्ति और नवाचार का संगम देखने को मिला, जहां पांच मोटर से संचालित होने वाला मशीनी हाथी तमिलनाडु के धार्मिक परिदृश्य में एक अत्याधुनिक बदलाव का प्रतीक बन गया है। अभिनेता सोनू सूद और उनके बेटे अयान ने पेटा इंडिया (पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स) तथा पीपल फॉर कैटल इन इंडिया' के सहयोग से मंदिर को 'ऐरावतम' नामक वास्तविक हाथी के आकार का रोबोटिक हाथी भेंट किया, ताकि पवित्र अनुष्ठानों में जीवित जानवरों को कष्ट न सहना पड़े।

तीन मीटर ऊंचे फाइबरग्लास से बने इस रोबोटिक हाथी का अनावरण सोमवार को ऑर्डिनेंस क्लोथिंग फैक्टरी के मुख्य महाप्रबंधक बी. एस. रेड्डी ने चेंडा मेलम और नादस्वरम की धुनों के बीच किया। करीब 500 किलोग्राम वजनी और पहिए लगे मंच पर खड़ा यह यांत्रिक हाथी सिर हिला सकता है, पूंछ हिला सकता है और पानी छिड़क सकता है। अपने परोपकारी कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले सूद ने कहा कि जब भक्ति और करुणा का संगम होता तो सर्वाधिक दिव्यता नजर आती है। पेटा इंडिया के 'कम्पैशनेट यूथ अवॉर्ड' विजेता अयान ने कहा कि इस पहल से असली हाथी जंगल में अपने परिवारों के साथ रह सकेंगे। यह पेटा इंडिया द्वारा देशभर में मुहैया कराया गया 21वां रोबोटिक हाथी है और तमिलनाडु में इस तरह का दूसरा हाथी है।

मंदिर के अध्यक्ष एस. एस. मुरुगन ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि मंदिर ने औपचारिक रूप से यह प्रतिबद्धता जताई है कि वह कभी भी जीवित पशुओं को नहीं रखेगा और न ही उन्हें किराए पर लेगा।

खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए केंद्र सरकार तैयार : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए पूरी तरह तैयार है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश स्थित भारतीय मिशनों के संपर्क में है। एक बयान में जोशी ने कहा कि संघर्ष के कारण प्रभावित लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की गई है।

उन्होंने कहा, जब भी कन्नड़ भाषी और अन्य भारतीय दुनिया में कहीं भी संकट का सामना करते हैं, केंद्र सरकार उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करती है। इससे पहले, हम यूक्रेन में फंसे लोगों को वापस लाए थे। भारतीय जहां भी हों, उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जोशी ने कहा कि ईरान-इजराइल संघर्ष की गंभीरता के कारण कन्नड़ भाषी लोगों के परेशानी में फंसे होने की सूचना मिली है और उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु वरिष्ठ मंत्रियों के साथ तत्काल परामर्श किया गया है।

चिंतित परिवारों को आश्वस्त करते हुए मंत्री ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और सरकार सभी भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में हवाई यात्रा करना फिलहाल जोखिम भरा है और भविष्य में किसी भी तरह के कदम उठाने से पहले जानकारों से परामर्श लिया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति ने तमिल विद्वानों और बंकिम चंद्र चटर्जी पर पुस्तकों का विमोचन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को तमिल के प्रसिद्ध विद्वानों, विरासत, वास्तुकला और संस्कृति पर 13 किताबों का विमोचन किया। इस सूची में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित बंकिम चंद्र चटर्जी पर एक पुस्तक भी शामिल है। इन प्रकाशनों में रामेश्वरम और रामानुजा से लेकर प्राचीन बंदरगाह शहर अरिकामेडु तक, भक्ति साहित्य और संगम युग के संगीत वाद्ययंत्रों से लेकर मीनाक्षी अम्मन मंदिर और बृहदीश्वर मंदिर जैसी स्थापत्य कला की अद्भुत कृतियों तक, सभ्यता के व्यापक परिदृश्य को शामिल किया गया है। भारत की सांस्कृतिक एकता पर

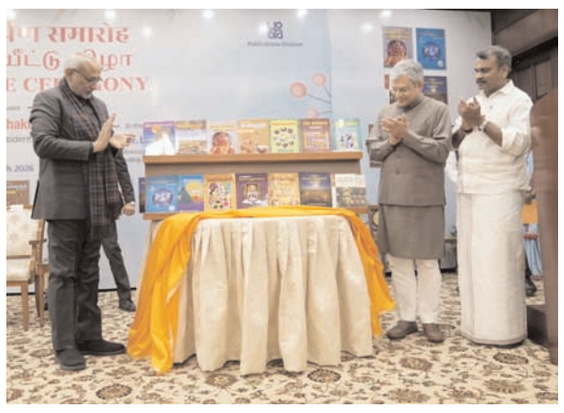

जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हालांकि यह कई भाषाओं का देश है, फिर भी इसकी आत्मा एक है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम (विश्व एक परिवार है) और याधुम ऊरे यावरुम केलिर (हर जगह मेरा शहर है, हर व्यक्ति मेरा परिवार है) जैसा दर्शन भारत को एक साथ बांधने वाले साझा सभ्यतागत लोकाचार को दर्शाता है। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन उपस्थित थे।

शबरिमला सोना चोरी मामले में टीडीबी के पूर्व सदस्य की जमानत याचिका खारिज

कोल्लम/भाषा। केरल के कोल्लम की एक अदालत ने शबरिमला सोना चोरी की घटना से संबंधित दो मामलों में त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के एक पूर्व सदस्य की जमानत याचिकाएं सोमवार को निरस्त कर दी। कोल्लम सर्तकता अदालत के न्यायाधीश मोहित सीएस ने के.पी. शंकर दास की चिकित्सकीय रिपोर्ट की जांच के बाद ये याचिकाएं खारिज कर दीं। दास द्वारपालक की मूर्तियों तथा श्रीकोविल (गर्भगृह) के चौखट से कथित तौर पर सोना चोरी मामले के आरोपियों में से एक हैं। आरोपी की ओर से पेश वकील जी. मोहनराज ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि चिकित्सा आधार पर जमानत मांगी गई थी, लेकिन अदालत ने यह अनुरोध ठुकरा दिया है।

टीडीबी बोर्ड के पूर्व सदस्य उस समय बोर्ड का हिस्सा थे, जब 2019 में सोने के आभूषणों को दोबारा परत चढ़ाने के लिए मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को सौंपे जाने की कथित अनुमति दी गई थी। स्वास्थ्य समस्याओं के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इस साल 14 जनवरी को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उन्हें गिरफ्तार किया था।

अब तक मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी समेत सात लोगों को अदालत से जमानत मिल चुकी है। बोर्ड के पूर्व सदस्य एन. विजयकुमार और बेल्लारी के जौहरी गोवर्धन रोडुम ने भी जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इन मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने केरल उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि 31 मार्च से पहले आरोप-पत्र दायर कर दिया जाएगा।

स्वच्छता आंदोलन परिवार द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। स्वच्छता आंदोलन परिवार के 26वें स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छ केशवापुर अभियान का आयोजन वार्ड नं. 44 में आईसीएआई भवन के पीछे स्थित मधुरा चेतना कॉलोनी के उद्यान के आसपास साफसफाई की गई। कार्यक्रम में विधायक महेश तेंगिनकाई ने भाग लेकर स्वच्छता कार्य का शुभारंभ किया और नागरिकों में जागरूकता उत्पन्न की। महानगर पालिका सदस्य श्रीमती उमा मुकुंद तथा वी. मुकुंद भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा हुब्बली-धारवाड़ केंद्रीय (73) के सचिव विनोदकुमार पटवा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

फागोत्सव

बारां में सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला कोटा में ऑर्गनाइज़्ड बृज फागोत्सव और संकीर्तन प्रोग्राम में शामिल होते हुए।

तापमान सामान्य से ऊपर

जयपुर। राजस्थान में तापमान बढ़ने लगा है और सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। बीते चौबीस घंटे में प्रदेश के फतेहपुर में अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार इस समय राज्य के अधिकांश भागों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान सामान्य से 2-6 डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज किया जा रहा है। इसके अनुसार राज्य के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना है।

भीलवाड़ा में अनियंत्रित कार पुल से गिरी, दो लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर रविवार को तेज रफ्तार एक वैन बेकाबू होकर पुल से नीचे जा गिरी, जिससे उसमें सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई और परिवार के चार अन्य सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में विजय गोशाला के पास हुआ। गुलाबपुरा थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि टोंक जिले के लाम्बा हरिसिंह कस्बा निवासी नौरत जांगिड़ (50) रविवार सुबह अपने परिवार के साथ चित्तौड़गढ़ के सांवलिया सेठ मंदिर के दर्शन कर लौट रहे थे तभी दोपहर में विजय गोशाला के सामने उनकी वैन बेकाबू होकर पुल से नीचे गिर गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को वाहन से बाहर निकाला। गुर्जर ने बताया कि सभी को पहले विजयनगर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल रेफर किया गया।

उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान चिकित्सकों ने नौरत और उनके पुत्र एवं वैन चालक कालू जांगिड़ (25) को मृत घोषित कर दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना में इन्द्रा, यश(छह), कोमल (28) और गौरव (11) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

हवाई सेवा बंद होने से राजस्थान के लोग दुबई में फंसे, परिजनों ने सरकार से मांगी मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हवाई हमलों के बाद मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, खाड़ी क्षेत्र के कुछ हिस्सों के लिए उड़ान सेवाएं बाधित हो गई हैं। कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे राजस्थान के कई लोग दुबई और अबू धाबी में फंस गए हैं। राजस्थान के डीग जिले से ज्योतिषियों का एक समूह 28 फरवरी को दुबई में एक ज्योतिष सम्मेलन में भाग लेने के लिए गया था। उन्हें 1 मार्च को भारत लौटना था, लेकिन अचानक हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगने के कारण उनकी उड़ानें रद्द हो गईं। फंसे हुए लोगों में डीग के ज्योतिषी रंगनाथ शर्मा भी शामिल हैं, जो दुबई में ही हैं। वहीं जयपुर से दुबई, अबू धाबी और शारजाह जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। साथ ही, जयपुर हवाई अड्डे ने खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक चेतावनी जारी की है।

अचानक हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानें रद्द होने से जोधपुर, कोटा और सीकर के 100 से अधिक छात्र और अन्य निवासी फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने बताया कि उड़ानें रद्द होने की घोषणा के बाद उन्हें हवाई अड्डे से पास के होटलों में पहुंचाया गया। कुछ फंसे हुए छात्रों ने दावा किया कि उन्होंने दुबई और अबू धाबी हवाई अड्डों के पास विस्फोटों की आवाज सुनाई दे रही है, जिससे हम लोगों को डर लग रहा है। दुबई के एकेडमी एजुकेशनल जोन में रह रहे कोटा के छात्र सिद्धार्थ जैन ने बताया कि उनके हॉस्टल के पास एक मिसाइल गिरी थी। उन्होंने अपने परिवार को तस्वीरें और वीडियो भेजे, जिनमें उन्होंने बताया कि रुक-रुक कर धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। कोटा की एक अन्य छात्रा, तान्या, कनाडा से भारत लौटते समय अबू धाबी में फंस गई है।

जोधपुर से आए लगभग 120 तीर्थयात्री अबू धाबी में फंसे हुए हैं। वे बड़ा रामद्वारा सुरसागर के संत अमृतराम महाराज की ओर से 24 से 28 फरवरी तक आयोजित धार्मिक प्रवचन (कथा) में भाग लेने के लिए दुबई गए थे। कथा के समापन के बाद, यह समूह शनिवार को अबू धाबी हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां उन्हें सूचित किया गया कि उनकी वापसी की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय विदेश मंत्रालय से उनकी सुरक्षित देश वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, रामप्रसाद महाराज के रामस्नेही संप्रदाय के मनोहर दास और अमृतराम, जो लगभग 120 श्रद्धालुओं के साथ जोधपुर से दुबई में धार्मिक प्रवचन देने गए थे, वहां अचानक युद्ध छिड़ने के कारण खाड़ी देशों में फंस गए हैं। यह खबर बेहद चिंताजनक है। ऐसे हालात में उनकी स्थिति की गंभीरता को समझा जा सकता है।

आधी रात के आसपास सूचना मिलते ही मैंने मनोहर दास महाराज से वहां की स्थिति के बारे में बात की। मैंने स्थानीय प्रवासी मारवाड़ी समुदाय के सदस्यों से भी बात की है। यह राहत की बात है कि वहां रहने वाले मारवाड़ी समुदाय ने उन सभी को समर्थन और सहायता प्रदान की है। मैं भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

जोधपुर के व्यवसायी गजेंद्र माहिया, जो 23 फरवरी को दोस्तों के साथ दुबई गए थे, रविवार को उनकी निर्धारित वापसी उड़ान रद्द होने के बाद वहीं फंस गए हैं। सभी फंसे हुए यात्रियों ने भारत सरकार से सुरक्षित निकासी के लिए अपील की है। प्रभावित यात्री उड़ानों के पुनः शुरू होने और निकासी व्यवस्था के संबंध में आगे की घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं और अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इसी बीच, अजमेर में शिया समुदाय के सदस्यों ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई की मौत के बाद एक जुलूस निकाला। जुलूस में शामिल लोगों ने काले रंग की पट्टियां बांधीं और अमेरिका और इजरायल के खिलाफ नारे लगाए।

मोदी द्वारा भगवान झूलेलाल के जयकारे पर सिंधी समाज ने जताया आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अजमेर के कायड़ विश्रामस्थली में आयोजित विशाल जनसभा के दौरान भगवान झूलेलाल के जयकारे लगाने पर सिंधी समाज ने उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। समाज के प्रतिनिधियों ने इसे सिंधी समाज की आस्था एवं सांस्कृतिक गौरव के प्रति सम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि इससे समाज में विशेष उत्साह एवं आत्मीयता का वातावरण निर्मित हुआ है। इसी क्रम में चेटीचंड महोत्सव को व्यापक, वृहद एवं सर्वसमाज की सहभागिता के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाने के उद्देश्य से दिल्ली गेट स्थित झूलेलाल धाम में बैठक आयोजित की गई। बैठक में माननीय विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजन को भव्य स्वरूप देने की कार्ययोजना तैयार की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि चेटीचंड महोत्सव सर्वसमाज की सहभागिता के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाए तथा शोभायात्रा, झांकियों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अनुशासन, सुरक्षा एवं समन्वय का विशेष ध्यान रखा जाए।

इसमें आगामी 19 से 21 मार्च तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय चेटीचंड मेले की रूपरेखा पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। पूज्य लाल साहिब मंदिर सेवा ट्रस्ट झूलेलाल धाम की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए। ट्रस्ट के महासचिव जयकिशन पारवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 मार्च को निकलने वाली भव्य शोभायात्रा सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से आयोजित करने के लिए व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। प्रधान ट्रस्टी प्रभु लोंगानी ने बताया कि इस आयोजन को समाज की एकता, सांस्कृतिक परंपरा एवं धार्मिक आस्था के प्रतीक के रूप में मनाया जाएगा।

बैठक में सिंधी समाज की धार्मिक, शैक्षणिक, व्यवसायिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित झांकियाँ सजाकर लाने वाली संस्थाएँ, पूज्य सिंधी पंचायत के सदस्य एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आयोजन को तिहासिक एवं यादगार बनाने का संकल्प लिया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में विराजमान पूज्य झूलेलाल साहिब एवं अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के समक्ष सामूहिक रूप से फाग महोत्सव मनाया गया।

चालक पर हमला करने के आरोप में वाहन निरीक्षक निलंबित

जयपुर। राजस्थान के चूरू जिले में परिवहन विभाग के मोटर वाहन निरीक्षक को एक ट्रक चालक पर हमला करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यह घटना शनिवार को सुजानगढ़ में हुई और घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में वाहन निरीक्षक सुरेश विश्नोई एक चालक से बहस करता दिख रहा है, उसने कथित तौर पर उसके सिर मारा जिससे चालक की आंख के पास चोट लगी और खून बहने लगा। इस मामले में कार्रवाई करते हुए परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा ने उसे निलंबित कर दिया। परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक को रतनगढ़ में जांच के लिए रोका गया और उसके ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर बहस हो गई जिसके दौरान निरीक्षक ने कथित तौर पर उसका मोबाइल फोन छीन लिया और उसके सिर पर मारा। चालक की आंख के पास से खून बहने लगा। निरीक्षक ने घायल चालक को अस्पताल ले जाने की कोशिश की लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने उस पर बार-बार ऐसी हरकतें करने का आरोप लगाते हुए एतराज किया और लोगों के गुस्से के बीच वह मौके से चला गया।

शिरकत

जयपुर स्थित जय क्लब में ढूंढाड़ परिषद द्वारा आयोजित 13वें फागोत्सव 'ढूँढाड़ की धमाल' में शिरकत करती उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी।

ननद-भाभी के शव पेड़ से लटके मिले : पुलिस

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के बीकानेर जिले में दो युवतियों के शव पेड़ से लटके मिले, पुलिस के अनुसार दोनों महिलायें रिश्ते में ननद-भाभी थीं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना खाजूवाला थाने के चक 33 केवाईडी का है। गांव के पास वन विभाग की नर्सरी में रविवार रात दो युवतियों के शव एक ही पेड़ से लटके मिले। सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची।

वृत्ताधिकारी अमरजीत चावला ने बताया कि मृतकों की पहचान विवाहिता रत्नी देवी (19) और माया नायक (20) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों रिश्ते में ननद-भाभी थीं, कथित तौर पर दोनों ने अपनी-अपनी चुन्नी से फंदा बनाकर पेड़ से लटककर जान दे दी। उन्होंने बताया कि विवाहिता के परिवार की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर एक मामला दर्ज किया गया है।

गोविंददेव मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया होली उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गोविंददेव मंदिर में होली उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह विशेष झांकियां सजाई गईं और 10:30 बजे ठाकुर जी को फूलों की होली अर्पित की गई।

राजभोग झांकी में गुलाल चढ़ाकर आरती की। मंदिर परिसर में चंग की थाप और होली गीतों के बीच भक्त रंगों में सराबोर दिखे। पुजारियों ने पिचकारी से पानी की बौछार की।

पूरा मंदिर परिसर गुलाल के रंगों से रंगा नजर आया। भक्तों ने एक-दूसरे पर गुलाल फेंककर उत्सव में भाग लिया। मंदिर में दर्शन करने आए भक्तों की ओर से एक-दूसरे को होली की बधाई दी और रंग लगाया। भक्तों में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां भी मौजूद रही।

सभी लोग जयकारे लगाते हुए नजर आए। भारी भीड़ के चलते दर्शन की विशेष व्यवस्था रही। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपील की है।

खामोशी से कामयाबी तक : सुनने में अक्षम पर हौसलों की लंबी उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। किशोरावस्था में कान के संक्रमण ने जब सुनने की शक्ति छीन ली तो विजयेश कुमार पंड्या के लिए घर और स्कूल की रौनकें अचानक खामोश हो गयीं लेकिन होंठों की 'हलचल' पढ़कर उन्होंने पढ़ाई जारी रखी, शिक्षक बने और वर्ष 2015 में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) में चयन के साथ उस खामोशी को ही अपनी ताकत में बदल दिया। प्रतापगढ़ जिले में अतिरिक्त जिलाधिकारी पंड्या ने बताया, 1996 तक मैं सामान्य रूप से सुन सकता था, लेकिन 15 वर्ष की उम्र में कान के संक्रमण ने मेरी सुनने की शक्ति छीन ली।

उन्होंने कहा, 1996 में दसवीं, 1998 में 12वीं पास की और 2005 में तृतीय श्रेणी अध्यापक में चयन हुआ। लगातार मेहनत से 2015 में राजस्थान प्रशासनिक सेवा(आरएएस) में चयन हुआ।'' सुनने में असमर्थ लोगों का मनोबल बढ़ाते हुए पंड्या ने कहा, अपनी इस कमी को हताशा न बनने दें। इसे ताकत बनाकर आगे बढ़ें। कुछ ऐसी ही कहानी नागौर जिले के मेड़ता सिटी निवासी दिनेश के बेटे युवराज की है।

दिनेश ने बताया, मेरा बेटा युवराज सोनी जब पांच वर्ष का था, तब उसे बुखार आया। छह महीने तक अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़े। बुखार तो ठीक हो गया, लेकिन बाद में महसूस हुआ कि उसे कम सुनाई देने लगा है। दिनेश ने कहा, इस बीच, युवराज ने निशानेबाजी में रुचि दिखाई। वर्ष 2023 में उसने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा शुरू की और आज अपने जज्बे के बल पर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हो चुका है।

जयपुर के प्रताप नगर निवासी जितेंद्र अग्रवाल ने बताया कि उनके बेटे मिलिन ने दिमागी बुखार के बाद नौ माह की उम्र में सुनने की क्षमता खो दी थी। जितेंद्र ने कहा, मिलिन का सपना इंजीनियर बनने का था। इस कमी के कारण स्कूल में उसके मित्र नहीं बन पाए। अलगाव के बावजूद उसने हार नहीं मानी और आज वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है।

जयपुर के वैशाली नगर निवासी अक्षिता कौशिक को तीन वर्ष की उम्र से सुनने में परेशानी थी। कौशिक ने कहा, माता-पिता को धीरे-धीरे लगा कि शायद मैं सुन नहीं पा रही हूं। उस समय मैं केवल पांच प्रतिशत ही सुन पाती थी। चिकित्सक ने कान में एक छोटी मशीन लगाई, लेकिन दस वर्ष की उम्र तक मेरी सुनने की क्षमता पूरी तरह समाप्त हो गई।

इवेंट प्रबंधन में बीबीए कर रही कौशिक ने कहा, उस समय मैं बहुत घबरा गई थी, लेकिन परिवार ने हौसला दिया। वही हौसला मेरी ताकत बना और मैंने पढ़ाई जारी रखी। इन सभी के हौसलों को पंख देने में 'कॉक्लियर इम्प्लांट' मुख्य कारक रहा। इन्होंने चिकित्सीय उपचार की मदद से अपनी सुनने की क्षमता वापस हासिल की और अपने सपनों को पूरा किया। 'कॉक्लियर इम्प्लांट' एक शल्य-चिकित्सकीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जो कान के क्षतिग्रस्त हिस्से को बाईपास कर सीधे श्रवण तंत्रिका को संकेत भेजता है, ताकि गंभीर रूप से सुनने में असमर्थ व्यक्ति ध्वनियां सुन सके। सवाई मानसिंह अस्पताल के नाक-कान-गला विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि हर वर्ष सात मार्च को विश्व श्रवण दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य सुनने से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, श्रीगंगानगर और भीलवाड़ा में अब तक करीब 1,600 से 1,700 कॉक्लियर इम्प्लांट किए जा चुके हैं। सरकारी सहायता के बारे में उन्होंने कहा, प्रति ऑपरेशन का खर्च लगभग आठ लाख रुपये तक आता है, जिसे राज्य सरकार वहन करती है। यदि बच्चा दो वर्ष से कम आयु का है और दोनों कानों से सुन नहीं पा रहा है, तो ऐसे बच्चों का दोनों कानों का ऑपरेशन निशुल्क कराया जाता है। अभिभावकों को सलाह देते हुए डॉ. ग्रोवर ने कहा, जन्म के तुरंत बाद बच्चे की सुनने की क्षमता की जांच करानी चाहिए। कॉक्लियर इम्प्लांट जितना जल्दी कराया जाए, परिणाम उतने बेहतर होते हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी नियमों के अनुसार चार वर्ष की आयु तक बच्चों का ऑपरेशन निशुल्क किया जाता है। ऑपरेशन के बाद स्पीच थैरेपी भी अत्यंत आवश्यक है और यह सुविधा भी सरकार की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

केआईआईटी विवि करेगा एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर की मेजबानी

- 4 मार्च को होगा आगाज
- 52 देशों की टीमें लेंगी भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। शहर एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है, क्योंकि एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर (पुरुष एवं महिला) 4 से 8 मार्च तक केआईआईटी विश्वविद्यालय में ओडिशा में पहली बार आयोजित किया जाएगा।

यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप, जो भारत में पहली बार किसी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी, 52 देशों की 82 टीमों को एकसाथ लाएगी। इसमें ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं सहित 306 मान्यता प्राप्त खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे।

यह टूर्नामेंट दुतीचंद एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे केआईआईटी परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के बीच वॉलीबॉल एरीना में परिवर्तित किया गया है। कार्यक्रम का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। व्यवस्थाओं की निगरानी केआईआईटी और केआईआईएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के मार्गदर्शन में की जा रही है। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा, आवास, प्रशिक्षण सुविधाओं और आतिथ्य से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की है, ताकि आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप संपन्न हों।

भुवनेश्वर में इस चैंपियनशिप की घोषणा एफआईवीबी के अध्यक्ष फैबियो अज़ेवेदो ने पिछले साल दिसंबर में वॉलीबॉल ग्रैंड प्रिक्स के अवसर पर केआईआईटी और केआईआईएस के दौरे के समय की थी।

केआईआईटी में वर्ल्ड-क्लास खेलकूद इंफ्रास्ट्रक्चर और ओडिशा के अच्छे खेल माहौल से प्रभावित होकर अज़ेवेदो ने घोषणा की कि एफआईवीबी बीच वॉलीबॉल इवेंट केआईआईटी और केआईआईएस के सहयोग से राज्य में लगातार तीन साल 2026, 2027 और 2028 आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर डॉ. सामंत ने कहा कि केआईआईटी और केआईआईएस ने खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के विकास के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने कहा, 'वॉलीबॉल एक ग्रामीण खेल है और ओलंपिक खेल भी है। पिछले आठ वर्षों से, हमने इसके विकास के लिए लगातार कदम उठाए हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।'

चैंपियनशिप में 82 अंतरराष्ट्रीय टीमों के 164 एलीट एथलीट हिस्सा लेंगे। उनके अलावा अंतरराष्ट्रीय रेफरी और वरिष्ठ एफआईवीबी अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। मैचों को वॉलीबॉल वर्ल्ड टीवी के ज़रिए दुनियाभर में लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट 8 मार्च को ब्रॉन्ज़ मेडल मैच, गोल्ड मेडल फ़ाइनल और अवॉर्ड सेरेमनी के साथ संपन्न होगा।

बंगाल में भाजपा सरकार बनने के एक माह के भीतर अपराधी जेल में होंगे : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावड़ा (प. बंगाल)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार आने के एक महीने के भीतर अपराधी ''जेल में होंगे या भगवान जाने कहां''। उन्होंने, हालांकि कहा कि बंगाल में बेरोजगारी समाप्त करने में लगभग पांच से 10 साल लगेंगे।

सिंह हावड़ा जिले के अमटा में आयोजित ''परिवर्तन यात्रा'' रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''बंगाल में भाजपा सरकार बनने के एक महीने के भीतर, अपराधी या तो जेल में होंगे, या भगवान जाने कहां।'' उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार युवाओं के लिए रोजगार पैदा करेगी। सिंह ने कहा, ''यहां बेरोजगारी की समस्या को समाप्त करने में हमें पांच से 10 साल लगेंगे।''

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि 2011 में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से 7,000 कंपनियां राज्य छोड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर उद्योग और युवा बेहतर अवसरों की तलाश में राज्य से बाहर जा रहे हैं, वहीं ''यहां की सरकार खुले तौर पर अवैध प्रवासियों को आमंत्रित कर रही है''।

सिंह ने दावा किया कि यदि राज्य में भाजपा सत्ता में आती है तो वह घुसपैठ पर रोक लगाएगी। उन्होंने कहा, ''हम राज्य से हर अवैध घुसपैठिये को बाहर निकालेंगे।'' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे राज्य में 'डबल इंजन' सरकार, यानी बंगाल और केंद्र, दोनों जगह भाजपा की सरकार सुनिश्चित करें। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में लोगों को विभाजित कर रही है। उन्होंने कहा, ''भाजपा केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि समाज सुधारने के लिए राजनीति करती है, जबकि तृणमूल राज्य के लोगों को विभाजित कर रही है।'' उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से पूछा, ''राज्य में अपराध में लिप्त लोगों को सजा क्यों नहीं दी जाती? आप 15 साल से सरकार चला रही हैं, पश्चिम बंगाल में गरीबी क्यों नहीं मिटाई गई और महिलाएं सुरक्षित क्यों महसूस नहीं करतीं?''

बनर्जी पर अपराधियों को तरजीह देने का आरोप लगाते हुए सिंह ने कहा, ''उनका (ममता का) स्नेह अपराधियों, भ्रष्टाचारियों और एक विशेष धर्म के लोगों के लिए है।'' उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों का अब यह मानना है कि उनकी (बनर्जी की) सरकार में उनका कोई नुकसान नहीं होगा।

सिंह ने दावा किया कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं पर अत्याचार की सबसे अधिक घटनाएं बंगाल में होती हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''बंगाल में कानून तोड़ने वाले ही हावी हैं, कानून नहीं।''

रक्षा मंत्री ने कहा कि बंगाल में बदलाव का समय आ गया है। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल के लोगों से अपील की कि इस बार चुनाव में (भाजपा के पक्ष में) किसी भी तरह की हिचकिचाहट न करें। उन्होंने कहा, ''बंगाल की धरती साफ-साफ संदेश दे रही है कि तृणमूल की अत्याचारों की कहानी अब राज्य में जारी नहीं रह सकेगी।''

रांची पुलिस ने देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ किया, आठ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। रांची पुलिस ने शहर के रेलवे स्टेशन के पास एक होटल पर छापा मारकर देह व्यापार से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन को सूचना मिलने के बाद रविवार रात को चुटिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले होटल में छापा मारा गया।

शहर के एसपी पारस राणा ने कहा, हमने पांच महिलाओं सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से चार पश्चिम बंगाल की हैं। रांची रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में छापेमारी के दौरान इन्हें पकड़ा गया। सूचना मिली थी कि कुछ लोग देह व्यापार गिरोह का चला रहे हैं।

राणा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि गिरफ्तार की गई पांच महिलाओं में से तीन कोलकाता की और एक सिलीगुड़ी की है, जबकि पांचवीं महिला, जिसे इस गिरोह की सरगना बताया जा रहा है, रांची के अरगोड़ा पुलिस थाना क्षेत्र की रहने वाली है।

एसपी ने बताया कि रांची की रहने वाली यह महिला इससे पहले 25 दिनों तक जेल में रह चुकी थी।

आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि चुटिया पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अश्लील गानों से बचें, सम्मान और सौहार्द के साथ मनाएं होली : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोगों से गरिमा के साथ होली मनाने, अश्लील गानों से बचने और रंग लगाते समय रसायनों या बल का प्रयोग करने से बचने की अपील की और कहा कि त्योहार तभी खुशी लाते हैं, जब शांति और सद्भाव के साथ मनाए जायें।

गोरखपुर के पांडेहाता में श्री श्री होलिका दहन उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'भक्त प्रह्लाद शोभायात्रा' में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि होलिका दहन इस तरीके से किया जाना चाहिए कि इससे किसी को असुविधा न हो या किसी की संपत्ति को नुकसान न हो। उन्होंने कहा, होली के गीत त्योहार की सच्ची भावना के अनुरूप गाए जाने चाहिए। इसमें कोई अश्लीलता नहीं होनी चाहिए। जब भी गानों में अश्लीलता आती है, तो यह हमारे त्योहारों के महत्व को कम कर देता है। उन्होंने कहा, किसी के चेहरे पर जबरन रंग न लगाएं। इसमें बुजुर्ग लोग, बच्चे, बीमार या दुख से गुजर रहे परिवार शामिल नहीं हो सकते हैं। किसी को भी मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

योगी ने लोगों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया कि किसी भी नुकसान को रोकने के लिए होलिकादहन घरों और प्रतिष्ठानों से सुरक्षित दूरी पर आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली अराजकता पर व्यवस्था और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले उत्तर प्रदेश में त्योहारों पर अक्सर तनाव और कर्फ्यू होता था, लेकिन स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा, आज कोई कर्फ्यू नहीं है, कोई दंगा नहीं है। सुरक्षा और विश्वास का माहौल है।

घुसपैठियों को शरण दे रही ममता बनर्जी सरकार : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संदेशखालि (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर ममता बनर्जी सरकार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को शरण दे रही है। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस पर घुसपैठियों के लिए फर्जी आधार और मतदाता कार्ड तैयार करने तथा क्षेत्र की जनसांख्यिकी को बदलने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया।

चौहान ने उत्तर 24 परगना जिले में 'परिवर्तन यात्रा' रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए। बंगाल में महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद, महिलाओं के साथ बलात्कार और उत्पीड़न के मामले जारी हैं।'' चौहान ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को शरण देकर इस क्षेत्र की जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिश कर रही है।''

सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने दावा किया कि तृणमूल सरकार बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं करा रही, क्योंकि इससे घुसपैठियों को भारत में प्रवेश करने से रोका जा सकेगा।

चौहान ने वादा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आती है, तो वह इन सभी अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

रांची के रातू में हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिले में सोमवार को एक जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना राजधानी रांची से लगभग 18 किलोमीटर दूर, रातू पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत चित्रकोटा गांव में हुई।

रातू पुलिस थाना प्रभारी रामनारायण सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''चित्रकोटा गांव में सुबह करीब 9:30 बजे एक जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला।''

रांची के संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्रीकांत वर्मा ने बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान सुबोध खलखो (30) के रूप में हुई है।

वन विभाग के अधिकारी ने बताया, ''घटना के तुरंत बाद वन विभाग की एक टीम ने गांव का दौरा किया और मृतक के परिवार को तत्काल राहत के रूप में 25,000 रुपए सौंपे। कुछ औपचारिक प्रक्रियाओं के बाद परिवार को पूरी मुआवजा राशि दी जाएगी। घायल व्यक्ति को 5,000 रुपए दिए गए हैं।'' झारखंड सरकार हाथी के हमले में मृत्यु होने पर चार लाख रुपए का मुआवजा प्रदान करती है।

हाथी को गांव से निकालकर जंगल क्षेत्र में ले जाने के लिए एक टीम भी भेजी गई है और यह अभियान दोपहर करीब तीन बजे शुरू होगा।

विदेशी शिक्षण संस्थान भारत की नवोन्मेष आधारित शिक्षा प्रणाली से जुड़े : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों से भारत की तेजी से विकसित हो रही नवोन्मेष-आधारित शिक्षा प्रणाली के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अनिश्चितता एवं तीव्र परिवर्तन से भरी दुनिया में शिक्षा ही समाजों के बीच सबसे स्थायी सेतु है। प्रधान ने ये टिप्पणियां शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'भारत में पढ़े शिक्षा-राजनय सम्मेलन 2026' में अपने संबोधन में कीं। इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के राजदूत, उच्चायुक्त, राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि और मंत्रालय के अधिकारी उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए थे। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक उज्ज्वल स्थान बना हुआ है, जो सीखने, अनुसंधान करने, नवाचार करने और उसे लागू करने के अपार अवसर प्रदान करता है। भारत की सबसे बड़ी ताकत इसका जीवंत ज्ञान तंत्र, जनसांख्यिकीय लाभांश और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। (नई शिक्षा नीति) एनईपी-2020 और 'स्टडी इन इंडिया' पहल के माध्यम से, देश विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और संस्थानों के लिए वैश्विक मार्ग खोल रहा है।

शिक्षा मंत्री ने कहा,''कृत्रिम मेधा, जैव प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर से लेकर सतत ऊर्जा तक, भारत एक विश्वसनीय नवोन्मेष भागीदार के रूप में उभर रहा है, जो सहयोग, क्षमता निर्माण और साझा ज्ञान पर आधारित वैश्विक दक्षिण मॉडल को आगे बढ़ा रहा है।'' प्रधान ने कहा कि अनिश्चितता और तीव्र परिवर्तन से भरी दुनिया में शिक्षा ही समाजों के बीच सबसे स्थायी सेतु है, ऐसे में भारत साझेदार देशों के साथ मजबूत ज्ञान सेतु बनाना चाहता है।

मंत्री ने प्रतिनिधियों से भारत की तेजी से विकसित हो रही, नवोन्मेष केंद्रित, बहुविषयक और सुलभ शिक्षा प्रणाली के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी ने कहा कि पिछले छह वर्ष में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 ने भारत के उच्च शिक्षा सुधारों को स्पष्ट दिशा प्रदान की है, विशेष रूप से बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने, कौशल विकास को मुख्यधारा से जोड़ने और अंतरराष्ट्रीयकरण को मजबूत करने के संदर्भ में।

वृंदावन में 200 से अधिक विधवा महिलाओं ने खेली होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। सफेद साड़ियों में जिंदगी ने सोमवार को वृंदावन के ऐतिहासिक गोपीनाथ मंदिर में रंगों की खुली उड़ान भर ली। बरसों तक 'अशुभ' कहकर त्योहारों से दूर रखी गईं विधवा महिलाओं ने हंसी की खनक, भक्ति की स्वर-लहरियों और उड़ते गुलाल के बीच इस बार न सिर्फ होली देखी, बल्कि उसे जीया, जैसे मानो रंगों ने उनके जीवन के सूनेपन पर दस्तक दी हो और कहा होअब वर्जनाएं नहीं, बस उत्सव।

'सुलभ इंटरनेशनल' की कार्यकारी संयोजक नित्या पाठक ने बताया कि पांच आश्रमों से आईं 200 से अधिक विधवा महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ उत्सव में भाग लिया। 'बंसी वाले की जय' के गूंजते जयघोषों के बीच वे मंदिर में गाए जा रहे रासिया गीतों की धुन पर थिरकीं और देखते ही देखते एक-दूसरे पर एक हजार किलोग्राम से अधिक फूल तथा 700 किलोग्राम गुलाल उड़ा दिया।

नित्या ने कहा, पूरा मंदिर परिसर भक्ति में डूब गया और महिलाओं में होली खेलने को लेकर अपार उत्साह दिखा गया। उन्होंने कहा, बीते वर्षों में हमने इस आयोजन में भाग लेने वाली विधवा महिलाओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी है। यह बदलाव की वही आहट है, जिसे इन महिलाओं ने खुले दिल से स्वीकार किया है और अब वे ऐसे उत्सवों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने लगी हैं।

नित्या ने कहा, भारतीय समाज में एक समय विधवाओं को अशुभ माना जाता था और उन्हें त्योहारों व सामाजिक आयोजनों में शामिल होने से वंचित कर दिया जाता था। कई महिलाएं तो अपने ही घरों से निकाल दी गईं और शरण की तलाश में वृंदावन आ पहुंचीं, जहां उन्हें अभाव और बेबसी भरा जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि 2012 में वृंदावन में रहने वाली विधवाओं की दयनीय स्थिति को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने 'सुलभ इंटरनेशनल' को उनकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी थी।

झारखंड में अप्रैल में शुरू होगी एसआईआर की प्रक्रिया : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अप्रैल में शुरू होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी।

के. रवि कुमार ने रांची में संवाददाताओं से कहा, '' निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुसार राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अप्रैल में शुरू होगी और इससे संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।'' उन्होंने बताया कि पहले चरण में बिहार में एसआईआर की यह प्रक्रिया की गई, उसके बाद दूसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया की गई। तीसरे चरण में देश के शेष सभी राज्यों को शामिल किए जाने की संभावना है।

कुमार ने कहा कि मुख्य निर्वाचन कार्यालय, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के सहयोग से, दो सितंबर को 'मतदाता पंजीकरण और मतदाता रजिस्टर' पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का संयुक्त रूप से आयोजन करेगा।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा, '' इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न लोकतांत्रिक देशों, देश भर के विश्वविद्यालयों, शिक्षाविदों और चुनाव संबंधी विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के विचारों को संकलित करके मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूचियों पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करना है।''

कुमार ने कहा कि भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम)-रांची, एनयूएसआरएल रांची और सेंट जेवियर्स कॉलेज इसमें शामिल होंगे और सामूहिक रूप से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में योगदान देंगे।

ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग और भाजपा के बीच साठगांठ का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर के बाद मतदाता सूची में नाम हटाए जाने को लेकर सोमवार को निर्वाचन आयोग और भाजपा पर साठगांठ कर वास्तविक मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की मदद के लिए ये ''साजिश'' रची गई है।

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 28 फरवरी को मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में बनर्जी ने दावा किया कि चुनावों को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए भाजपा और आयोग द्वारा ''जानबूझकर'' नाम हटाए गए हैं।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया, ''निर्वाचन आयोग ने जानबूझकर असली मतदाताओं के नाम हटा दिए हैं। मैं स्तब्ध हूं। यह बहुत दुखद और अमानवीय स्थिति है।'' एसआईआर के बाद मतदाता सूची में 63.66 लाख नाम हटाए गए, जो कुल मतदाताओं का 8.3 प्रतिशत है। एसआईआर के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या घटकर लगभग 7.04 करोड़ रह गई है। इसके अलावा 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को ''विचाराधीन'' श्रेणी में रखा गया है, जिनकी आने वाले हफ्तों में जांच की जाएगी।

अपने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में भी ''बड़े पैमाने पर मतदाता के नाम हटाए जाने'' का दावा करते हुए, बनर्जी ने कहा कि चाहे जितने भी मतदाताओं के नाम हटा दिए जाएं, वह विजयी होंगी।

सुविचार

अच्छे लोगों का भगवान इम्तिहान बहुत लेता है पर साथ नहीं छोड़ता बुरे लोगों को सब कुछ देता है पर साथ नहीं देता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईरान के हालात से सीखें ये सबक

इजराइल व अमेरिका की संयुक्त सैन्य कार्रवाई से ईरान दहल उठा। उसके सर्वोच्च नेता समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और आम नागरिक मारे गए। घटना के बाद ईरान ने भी पूरी ताकत से पलटवार किया है। आखिरकार, इन सबका नतीजा क्या होगा, इस पर पूरी दुनिया की निगाहें हैं। ईरान के मौजूदा हालात में दुनिया के लिए बहुत बड़े सबक हैं। इनसे पहला सबक यह लिया जा सकता है कि जब कोई देश वैज्ञानिक उन्नति में पीछे रह जाता है और अंदर से कमजोर होता है तो दुश्मन का हौसला बढ़ जाता है। सरकारों को वैज्ञानिक उन्नति पर जोर देना चाहिए। ईरान के पास तेल-गैस के भंडार हैं। वह इन पर बहुत निर्भर रहा। उसने अन्य क्षेत्रों की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। जब अमेरिका समेत पश्चिमी देशों ने उस पर प्रतिबंध लगाए तो अर्थव्यवस्था चरमराने लगी। सरकारों को चाहिए कि वे एक ही क्षेत्र के भरोसे न रहें। अन्य क्षेत्रों का भी विकास करें। राष्ट्रीय सुरक्षा बहुत गंभीर विषय है। देश की दशा और दिशा इस पर निर्भर करती हैं। शीर्ष नेताओं की सुरक्षा का सख्ती से मूल्यांकन करना चाहिए। अगर वे ही सुरक्षित नहीं रहेंगे तो देश कैसे सुरक्षित रहेगा? उनकी सुरक्षा में तैनात कुछ अधिकारी यह सोचकर जोखिम को कम आंकते हैं कि 'अब तक कुछ नहीं हुआ तो आगे भी कुछ नहीं होगा।' उन्हें याद रखना चाहिए कि दुश्मन को सिर्फ एक मौके की तलाश होती है। ईरान में मोसाद और सीआईए का जाल फैला हुआ है। इनके एजेंट सरहद पार गुप्त सूचनाएं भेजते रहते हैं। किसी भी देश को इस मामले में बहुत सतर्क रहना चाहिए। दुश्मन एजेंसियों को अपनी जमीन पर किसी सूरत में न पनपने दें।

अपनी सुरक्षा के लिए अन्य देशों और संगठनों के भरोसे बिल्कुल नहीं रहना चाहिए। जब दुश्मन नुकसान पहुंचा देता है तो दुनिया सिर्फ कड़ी निंदा करती है। खामेनेई के मामले में यही हो रहा है। इससे पहले, जब अमेरिकी सेना वेनेजुएला से निकोलस मादुरो को उठा ले गई तो दुनिया कड़ी निंदा करती रह गई। जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तब भी कड़ी निंदा खूब हुई। अक्लमंद लोग अपने देश की सुरक्षा खुद करते हैं। वे हर चुनौती का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। खामेनेई जून 1989 से ईरान के सर्वोच्च नेता थे। ऐसे आरोप हैं कि उन्होंने अपने खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों का निर्ममता से दमन किया था। याद करें, महसा अमीनी के साथ क्या हुआ था? उन हजारों महिलाओं के साथ कैसा सलूक किया गया था, जो महसा अमीनी के लिए इन्साफ की मांग कर रही थीं? जब कोई शासक अपने ही लोगों को इस तरह कुचलता है तो मामला बिगड़ता है। उसका फायदा कोई और उठाता है। हाल में ईरानी मुद्रा के भारी पतन के बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे हजारों लोग मौत के घाट उतार दिए गए। क्या उनके परिजन खामोश बैठे रहे? क्या मोसाद और सीआईए जैसी एजेंसियों ने उन्हें अपने पाले में लाने की कोशिश नहीं की होगी? अगर भविष्य में असंतोष भड़का तो वे किसका साथ देंगे? इन सवालों के जवाब ढूंढ़ना मुश्किल काम नहीं है। अगर कोई सरकार रोटी नहीं दे सकती, तो वह कम-से-कम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो दे। कोई शासक अपने देशवासियों पर गोलियां चलाकर, उनकी आवाज दबाकर अपनी कुर्सी बचा सकता है, लेकिन कई चीजें गंवा बैठता है। इस स्थिति को टालने का सबसे अच्छा उपाय है- लोगों की आवाज सुनें, जहां तक संभव हो बातचीत से ही समाधान निकालें, 'सही समय' पर किसी योग्य व्यक्ति को आगे लाएं और उसके लिए कुर्सी छोड़ दें।

ट्वीटर टॉक

पावन पर्व होलिका दहन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर आइए संकल्प लें कि हम समाज में फैली कुरीतियों, भेदभाव, ईर्ष्या-द्वेष और बुराइयों को अग्नि में समर्पित कर एक बेहतर, समरस और सद्भावपूर्ण समाज निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

-वसुंधरा राजे

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के साथ 'होली मिलन समारोह' में सम्मिलित होकर उन्हें उल्लास के इस महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अपनत्व और स्नेह से सराबोर अवसर पर 'चाय पर चर्चा' कर क्षेत्र के विकास और संगठन की मजबूती पर संवाद किया।

-भजनलाल शर्मा

होलिका दहन की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आइए, इस पुण्य अवसर पर हम सभी अपने जीवन से नकारात्मकता, और कुविचारों का दहन कर प्रेम, सौहार्द और सद्भाव का प्रकाश फैलाने का संकल्प लें।

-योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

सुमति से समृद्धि

एक बार किसी ने तुलसीदासजी से पूछा, 'महाराज सम्पूर्ण रामायण का सार क्या है? क्या कोई चौपाई ऐसी है जिसे हम सम्पूर्ण रामायण का सार कह सकते हैं?' तुलसी दास जी ने कहा, 'हां, है और वह हैजहां सुमति तह सम्पत्ति नाना, जहां कुमति विपत्ति जाना। अर्थात जहां सुमति होती है, वहां हर प्रकार की सम्पत्ति, सुख-सुविधाएं होती हैं और जहां कुमति होती है वहां विपत्ति, दुःख और कष्ट पीछा नहीं छोड़ते। सुमति थी अयोध्या में, भाई-भाई में प्रेम था, पिता और पुत्र में प्रेम था, राजा प्रजा में प्रेम था, सास-बहू में प्रेम था और मालिक सेवक में प्रेम था तो संकटग्रस्त हुई अयोध्या फिर से बस गई। कुमति थी लंका में, एक भाई ने दूसरे भाई को लात मारकर निकाल दिया। कुमति और अनीति के कारण सोने की लंका राख का ढेर हो गई।' पांच पाण्डवों में सुमति थी तो उन पर कितनी विपदाएं आईं लेकिन अंत में विजय उनकी ही हुई और हस्तिनापुर में उनका राज्य हुआ। कौरवों में कुमति थी, अनीति थी, अनाचार था, अधर्म था तो उनकी पराजय हुई और सारे भाई मारे गए।

सामयिक

युद्ध से आर्थिक संकट और बिगड़ता सामाजिक ताना बाना

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज़ करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा।

युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है।

भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है।

भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी। आतंकवाद, कट्टरता और अवैध हथियारों का प्रसार ऐसे वातावरण में बढ़ सकता है। अतः भारत के लिए यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं, बल्कि सुरक्षा और कूटनीतिक संयम का भी है।

समाधान क्या हो सकता है? प्रथम, युद्धविराम और संवाद की बहुपक्षीय पहल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वैश्विक शक्तियों को यह समझना होगा कि स्थायी शांति केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौते और पारस्परिक सम्मान से आती है। द्वितीय, ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोतों और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को तेज करना होगा, ताकि तेल-निर्भरता कम हो और भू-राजनीतिक संकटों का असर सीमित किया जा सके। तृतीय, वैश्विक संस्थाओं का पुनर्गठन आवश्यक है, ताकि वे केवल महाशक्तियों के प्रभाव का साधन न बनकर न्यायपूर्ण और प्रभावी मंच बन सकें। चतुर्थ, क्षेत्रीय संवाद मंचों-जैसे ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत के लिए भी यह अवसर है कि वह वसुधैव कुटुम्बकम्' की अपनी परंपरा को व्यवहार में उतारे।

शांति, सहअस्तित्व और संवाद का संदेश केवल भाषणों तक सीमित न रहकर ठोस कूटनीतिक पहलों में दिखना चाहिए। यदि भारत ऊर्जा विविधीकरण, रक्षा आत्मनिर्भरता, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है, तो वह वैश्विक संकटों के बीच भी स्थिरता बनाए रख सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सक्रियता-चाहे वह बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी हो या क्षेत्रीय देशों के साथ प्रत्यक्ष संवाद-भारत की अस्मिता और हितों की रक्षा के प्रयास का संकेत देती है।

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी। भारत, जो स्वयं विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक है, इस परिवर्तन का अग्रदूत बन सकता है। चुनौती बड़ी है, किंतु अवसर भी उतना ही व्यापक है-शर्त यह है कि विश्व नेतृत्व युद्ध की भाषा छोड़कर शांति की भाषा सीखे और भारत अपने संतुलित, स्वायत्त और दूरदर्शी दृष्टिकोण से इस वैश्विक उथल-पुथल में स्थिरता का स्तंभ बने।

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी। भारत, जो स्वयं विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक है, इस परिवर्तन का अग्रदूत बन सकता है।

नजरिया

होली पर्व सामूहिकता का उत्सव

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

होली केवल रंगों से खेलने का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन को समझने और स्वीकार करने की एक गहरी सांस्कृतिक दृष्टि है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य का अस्तित्व केवल तर्क और व्यवस्था से नहीं, बल्कि भावनाओं, विरोधों और संवेदनाओं के रंगों से निर्मित होता है। जब समाज विचारों की कठोरता, संबंधों की दूरी और संवेदनहीनता के कारण रंगहीन हो जाता है, तब होली जीवन में उल्लास, समरसता और मानवीय ऊष्मा का संचार करती है। रंगों के माध्यम से यह पर्व जीवन के द्वंद्व सुख-दुःख, प्रेम-विरोध, आशा-निराशा को स्वीकार करने की कला सिखाता है और हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में ही निहित है।

यह उत्सव हमें बताता है कि रंग केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना, स्मृतियों और संबंधों का विस्तार हैं। वसंत के आगमन के साथ मनुष्य के भीतर जमी शीतल उदासियों को पिघलाने का काम होली करती है। जब समाज किसी न किसी कारण से धूसर हो चला हो, संवेदनाओं की थकान, संबंधों की टूटन, या विचारों की कटुता से तब होली जीवन में रंग भरने का साहसिक प्रस्ताव लेकर आती है। यही कारण है कि होली का उत्सव केवल हँसी-खुशी का आयोजन नहीं, बल्कि एक गहन दार्शनिक अनुभव भी है। रंगों का दर्शन भारतीय संस्कृति में अत्यंत प्राचीन और गहन है। यहाँ रंग केवल दृश्य अनुभूति नहीं, बल्कि भाव, गुण और चेतना के प्रतीक हैं। लाल रंग ऊर्जा, प्रेम और संघर्ष का संकेत देता है, पीला ज्ञान और वैराग्य का, हरा जीवन और आशा का, और नीला गहराई व अनंत का। होली इन सभी रंगों को एक साथ उछाल देती है, मानो जीवन के सभी भावों को स्वीकार करने की शिक्षा दे रही हो। यह स्वीकार्यता ही जीवन-दर्शन का मूल है कि जीवन केवल सुख या केवल दुःख नहीं, बल्कि दोनों का समन्वय है।

होली का एक प्रमुख आयाम जीवन का द्वंद्व है। द्वंद्व अर्थात विरोधों का सह-अस्तित्व। सुख और दुःख, प्रेम और घृणा, जीत और हार- ये सभी जीवन के अनिवार्य रंग हैं। होली में जब लोग एक-दूसरे पर रंग डालते हैं, तो वे अनजाने ही इस द्वंद्व को स्वीकार कर लेते हैं। कोई नहीं पूछता कि कौन अमीर है, कौन गरीब, कौन उच्च है, कौन निम्न। रंग सभी भेदों को ढक लेते हैं। यह क्षणिक समानता हमें याद दिलाती है कि समाज द्वारा खींची गई रेखाएँ स्थायी नहीं, बल्कि मनुष्य द्वारा निर्मित हैं। रंगहीन समाज की अवधारणा आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है।

आधुनिक जीवन की तेज़ रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, तकनीकी निर्भरता और आत्मकेंद्रित सोच ने समाज को भीतर से फीका कर दिया है। लोग जुड़े तो हैं, पर संवादहीन हैं; साथ रहते हैं, पर संवेदनाहीन। ऐसे समाज में होली एक प्रतिरोध का पर्व बन जाती है। यह हमें बाहर निकलकर एक-दूसरे को छूने, हँसने और क्षमा करने का अवसर देती है। रंगहीनता के विरुद्ध रंगों का यह उत्सव एक सांस्कृतिक विद्रोह जैसा है।

होली की पौराणिक कथा होलिका दहन भी गहरे प्रतीकवाद से भरी है। यह कथा केवल बुराई पर अच्छाई की जीत नहीं, बल्कि अहंकार के दहन और विश्वास की रक्षा की कथा है। होलिका का जलना और प्रह्लाद का बचना इस बात का संकेत है कि सत्ता, बल और छल अंततः सत्य और आस्था के सामने टिक नहीं पाते। दहन की अग्नि हमारे भीतर के भय, क्रोध और द्वेष को जलाने का आह्वान करती है, ताकि अगले दिन रंगों के साथ नया जीवन आरंभ हो सके। होली का सामाजिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व सामूहिकता का उत्सव है। गाँव की गलियों से लेकर महानगरों की छतों तक, लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं। पुराने गिले-शिकवे मिटते हैं, नए संबंध बनते हैं। बुरा न मानो, होली है केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि क्षमा और उदारता का सामाजिक मंत्र है। यह वाक्य हमें यह सिखाता है कि जीवन में हर बात को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं; कभी-कभी हँसकर आगे बढ़ जाना भी बुद्धिमानी है।

रंगों का यह उत्सव स्त्री-पुरुष, बालक-वृद्ध, सभी को समान रूप से शामिल करता है। बच्चों के लिए होली शुद्ध आनंद है, युवाओं के लिए उत्साह, और वृद्धों के लिए स्मृतियों की पुनरावृत्ति। इस प्रकार होली समय की सीमाओं को भी तोड़ती है। यह अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक ही रंगीन क्षण में समेट लेती है। आज जब समाज में तनाव, अवसाद और अलगाव बढ़ रहा है, तब होली का मनोवैज्ञानिक महत्व और भी बढ़ जाता है। रंग खेलना केवल बाहरी क्रिया नहीं, बल्कि आंतरिक मुक्ति की प्रक्रिया है। यह हमें अपने भीतर जमी कठोरताओं को ढीला करने का अवसर देती है। हँसी, गीत और नृत्य मन को हल्का करते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह सामूहिक आनंद तनाव को कम करता है और सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाता है।

हालाँकि, आधुनिक समय में होली के सामने चुनौतियाँ भी हैं। रासायनिक रंग, जल का अपव्यय और जबरदस्ती के व्यवहार ने इस पर्व की आत्मा को कहीं न कहीं चोट पहुँचाई है। यदि होली जीवन को रंगीन बनाने का पर्व है, तो उसे जीवन के प्रति जिम्मेदार भी होना चाहिए। प्राकृतिक रंगों का प्रयोग, सहमति का सम्मान और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता- ये सभी होली के आधुनिक प्रतीकवाद का हिस्सा बनने चाहिए। होली हमें यह भी सिखाती है कि रंग स्थायी नहीं होते। शाम होते-होते रंग धुल जाते हैं, चेहरे फिर अपने मूल रूप में लौट आते हैं। यह अस्थायित्व जीवन का सबसे बड़ा सत्य है। जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। इसलिए अहंकार, वैमनस्य और कठोरता को ढोने का कोई अर्थ नहीं। रंगों की तरह जीवन भी बहता है, बदलता है। इसे थामने की कोशिश में हम केवल थकते हैं, जी नहीं पाते।

होली जीवन को पूरे मन से स्वीकार करने का पर्व है। यह हमें बताती है कि रंगहीनता कोई नियति नहीं, बल्कि एक स्थिति है, जिसे बदला जा सकता है। यदि समाज फीका लगने लगे, तो दोष केवल बाहरी परिस्थितियों का नहीं, बल्कि हमारे भीतर के सूखेपन का भी है। होली हमें भीतर झाँकने और अपने मन में रंग भरने का निमंत्रण देती है।होली रंगों का उत्सव भर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का जीवंत पाठ है। यह द्वंद्वों को स्वीकार करना सिखाती है, भेदों को मिटाने का साहस देती है और रंगहीन समाज में मानवीय संवेदनाओं के रंग घोल देती है। जब हम होली के रंगों में सराबोर होते हैं, तब वास्तव में हम जीवन को उसकी पूरी विविधता के साथ गले लगाते हैं और शायद यही होली का सबसे गहरा प्रतीकवाद है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

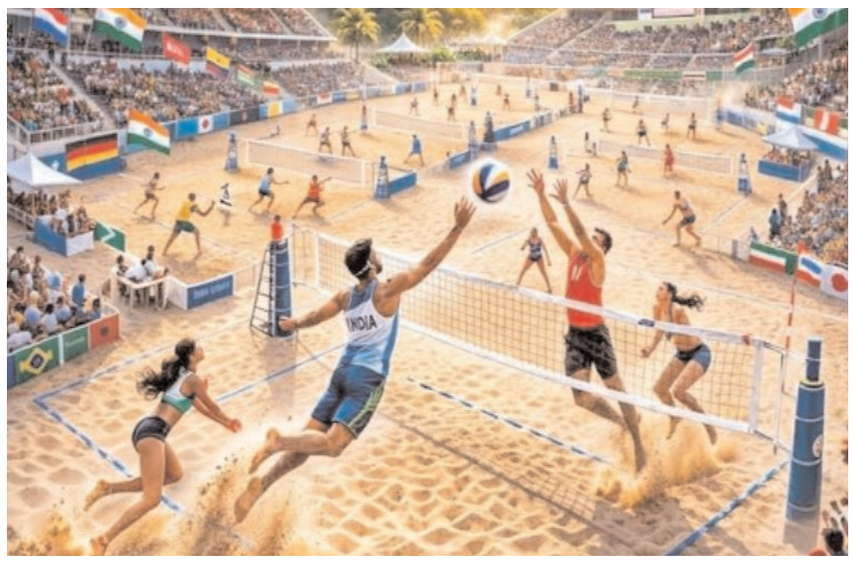

केआईआईटी विवि करेगा एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर की मेजबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। शहर एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है, क्योंकि एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर (पुरुष एवं महिला) 4 से 8 मार्च तक केआईआईटी विश्वविद्यालय में ओडिशा में पहली बार आयोजित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप, जो भारत में पहली बार किसी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी, 52 देशों की 82 टीमों को एकसाथ लाएगी। इसमें ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं सहित 306 मान्यता प्राप्त खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे।

यह टूर्नामेंट दुतीचंद एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे केआईआईटी परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के बीच वॉलीबॉल एरीना में परिवर्तित किया गया है। कार्यक्रम का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। व्यवस्थाओं की निगरानी केआईआईटी और केआईआईएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के मार्गदर्शन में की जा रही है। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा, आवास, प्रशिक्षण सुविधाओं और आतिथ्य से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की है, ताकि आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप संपन्न हों।

भुवनेश्वर में इस चैंपियनशिप की घोषणा एफआईवीबी के अध्यक्ष फैबियो अज़ेवेदो ने पिछले साल दिसंबर में वॉलीबॉल ग्रैंड प्रिक्स के अवसर पर केआईआईटी और केआईआईएस के दौरे के समय की थी। केआईआईटी में वर्ल्ड-क्लास खेलकूद इंफ्रास्ट्रक्चर और ओडिशा के अच्छे खेल माहौल से प्रभावित होकर अज़ेवेदो ने घोषणा की कि एफआईवीबी बीच वॉलीबॉल इवेंट केआईआईटी और केआईआईएस के सहयोग से राज्य में लगातार तीन साल 2026, 2027 और 2028 आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर डॉ. सामंत ने कहा कि केआईआईटी और केआईआईएस ने खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के विकास के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने कहा, 'वॉलीबॉल एक ग्रामीण खेल है और ओलंपिक खेल भी है। पिछले आठ वर्षों से, हमने इसके विकास के लिए लगातार कदम उठाए हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।' चैंपियनशिप में 82 अंतरराष्ट्रीय टीमों के 164 एलीट एथलीट हिस्सा लेंगे।

उनके अलावा अंतरराष्ट्रीय रेफरी और वरिष्ठ एफआईवीबी अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। मैचों को वॉलीबॉल वर्ल्ड टीवी के ज़रिए दुनियाभर में लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट 8 मार्च को ब्रॉन्ज़ मेडल मैच, गोल्ड मेडल फ़ाइनल और अवॉर्ड सेरेमनी के साथ संपन्न होगा।

फिल्म 'स्पिरिट' से विवेक ओबेरॉय का पहला पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

सुपरस्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। यह फिल्म मार्च 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म को लेकर अभी से माहौल बनाना शुरू कर दिया है। फिल्म में विवेक ओबेराय का पहला पोस्टर जारी किया है। नए साल के मौके पर 1 जनवरी को फिल्म से प्रभास और तृप्ति डिमरी की पहली झलक सामने आई थी। अब मेकर्स ने फिल्म से विवेक ओबेरॉय का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

पोस्टर में विवेक ओबेरॉय का लुक बेहद दमदार और अलग नजर आ रहा है। एक हाथ में तलवार, मुंह में सिगार, लंबे बाल और काले चश्मे में उनका अंदाज काफी प्रभावशाली दिख रहा है। पोस्टर के साथ दिए गए कैप्शन, अंधेरे में छिपा एक रहस्य और वो आंखें जो सबसे गहरे राज़ याद रखती है, किरदार को लेकर रहस्य और गहरा कर दिया है। गौरतलब है कि 'स्पिरिट' एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी समेत कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म को लेकर दर्शकों में अभी से काफी उत्साह देखा जा रहा है।

मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन ने कहा 'द केरल स्टोरी 2' फिल्म देखूंगा

तिरुवनंतपुरम/भाषा

मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन ने शनिवार को कहा कि वह 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' फिल्म देखेंगे। राजशेखरन ने कहा कि उन्होंने फिल्म का पहला भाग देखा था और उसमें उन्हें कोई खामी नहीं मिली थी। भाजपा की केरल इकाई के पूर्व अध्यक्ष रह चुके राजशेखरन ने कहा कि फिल्म की अगली कड़ी में भी कोई खामी नहीं है।

उन्होंने पूछा कि इससे राज्य में धर्मनिरपेक्षता पर क्या असर पड़ेगा। राजशेखरन ने पत्रकारों से बात करते हुए पूछा, मैं इसे जरूर देखूंगा। मैंने पहली फिल्म देखी थी और उसमें कोई खामी नहीं थी। इस फिल्म (द केरल स्टोरी 2) में भी कोई खामी नहीं है। इससे धर्मनिरपेक्षता पर क्या असर पड़ेगा? जब पत्रकारों ने उन्हें बताया कि फिल्म के टिकटों की बिक्री कम रही है, तो भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि फिल्म देखना है या नहीं, यह तय करने की आजादी सबकी है।

उन्होंने कहा कि यह फिल्म उन महिलाओं की दुर्दशा के बारे में है, जिन्हें फिल्म में दिखाई गई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। राजशेखरन ने कहा कि ऐसी समस्याओं पर किताबें भी लिखी गई हैं लेकिन किसी ने उन पर आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईसाई समेत अल्पसंख्यक समुदायों में ऐसी चरमपंथी गतिविधियों को लेकर डर का माहौल है। केरल उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने शुक्रवार को एकल न्यायाधीश के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत फिल्म की रिलीज 15 दिनों के लिए स्थगित कर दी गई थी। खंडपीठ के फैसले से 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' की रिलीज का रास्ता साफ कर दिया।

'बस शांति चाहिए,' ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग से डरी नोरा फतेही

मुंबई/एजेन्सी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग से बड़ी तबाही हो रही है। ईरान, अमेरिका के अन्य देशों में बने सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। माना जा रहा है कि दुबई में एयरपोर्ट पर हुआ हमला ईरान की जवाबी कार्रवाई का हिस्सा है। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही इस जंग से स्तब्ध हैं और उन्होंने विश्व में शांति की अपील की है। नोरा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो के जरिए जानकारी दी है कि वे बिल्कुल ठीक हैं। दरअसल, नोरा फतेही के दुबई में सबसे ज्यादा शोज होते हैं और वे दुबई में होने वाले इवेंट्स की फोटो और वीडियो भी फैंस के साथ शेयर करती हैं। अब उनका कहना है कि वह दुबई से भारत आ चुकी हैं और बिल्कुल ठीक हैं, लेकिन जो कुछ हो रहा है, वो डराने वाला है।

उन्होंने वीडियो में कहा, जो कुछ हो रहा है, उससे आध्यात्मिक और मानसिक रूप से थक चुकी हैं। जो वीडियो जारी किए जा रहे हैं, उन्होंने मुझे अंदर से झकझोरकर रख दिया है। हम सबको शांति चाहिए और पूरे विश्व को शांति चाहिए।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी पत्नी के साथ सोमवार को देहरादून में भाजपा स्टेट ऑफिस में होली मिलन सेरेमनी के दौरान।

'जलसा' सिर्फ घर नहीं, लाखों दिलों का आशीर्वाद है : अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अक्सर अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया के जरिए विचार व्यक्त कर अपनी मौजूदगी बनाए रखते हैं। सोमवार को उन्होंने अपने ब्लॉग पर एक खास नोट शेयर करते हुए लिखा कि उनका घर 'जलसा' सिर्फ एक घर नहीं बल्कि लाखों दिलों का आशीर्वाद है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर एक नोट शेयर करते हुए लिखा कि उनका घर 'जलसा' सिर्फ एक घर नहीं बल्कि लाखों दिलों का आशीर्वाद है। उन्होंने इसे तीन दशकों से ज्यादा समय तक मिले प्रशंसकों के प्यार व आशीर्वाद का प्रतीक बताया। अभिनेता ने 'जलसा' को सिर्फ एक मकान नहीं बल्कि लाखों दिलों के आशीर्वाद की जगह बताते हुए लिखा, यह घर पिछले 30 साल से ज्यादा वक्त से मेरे परिवार को छत दे रहा है। इसी घर में मेरे बच्चे बड़े हुए और उनकी शादियां भी हुईं। अब मेरे पोते-पोतियों में से भी कई इसी घर में खेलते हुए बड़े हुए हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने प्रशंसकों को अपना बड़ा परिवार बताते हुए कहा, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रशंसक मेरे लिए अपना कीमती समय निकालकर मुझसे मिलने आते हैं और मेरे बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हैं, जो मेरे लिए किसी दिव्य अनुभूति से कम नहीं है। आपका प्यार और आशीर्वाद मेरे लिए बेहद कीमती है।

उन्होंने इसे खुशी और आनंद की जगह बताया। उन्होंने लिखा, यह घर जश्न मनाने, परिवार के साथ रहने और समय के साथ चलते जीवन का सबूत है। यह घर अपनों की खुशियों को दिखाता है, हमारे जीने के तरीके से जुड़ा है और हमेशा जश्न व अस्तित्व का अहसास दिलाता रहता है। अमिताभ ने अपने विचारों को विराम देते हुए लिखा, एक ऐसा घर जो हमेशा खुशियों और साथ का प्रतीक बना रहेगा। अभिनेता आने वाले समय में कई प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त हैं। इस समय वे बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी पार्ट 2' की शूटिंग हैदराबाद में कर रहे हैं, जिसमें वे अश्वत्थामा की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा, वे कई अन्य प्रोजेक्ट में नजर आएंगे, जिनमें 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 2', 'सेक्शन 84', 'द इंटर्न' (रीमेक) और 'आंखें 2' शामिल हैं।

पूजा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सोमवार को पश्चिम बंगाल के तारापीठ में माँ तारा मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

म्यांमार की सैन्य सरकार ने 10 हजार से अधिक कैदियों को दी माफी

बैंकॉक/एपी

म्यांमार के सैन्य शासन प्रमुख ने 10,000 से अधिक कैदियों को माफी दी है और अन्य की सजा में कटौती की है। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी।हालांकि, 2021 के सैन्य तख्तापलट में सत्ता से बेदखल की गईं पूर्व नेता आंग सान सू की की रिहाई का कोई संकेत नहीं है। सू की को तब से लगभग पूरी तरह बाहरी संपर्क से दूर रखा गया है।यह माफी संसद के पांच साल से अधिक समय बाद होने जा रहे पहले सत्र से करीब दो सप्ताह पहले दी गई है। हालिया चुनाव के बाद यह सत्र आहूत किया गया। हालांकि, आलोचकों ने कहा था ये चुनाव न तो पारदर्शी थे और न ही निष्पक्ष। सरकारी टेलीविजन 'एमआरटीवी' की खबर के मुताबिक, सैन्य शासन प्रमुख सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने किसानों के सम्मान में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय अवकाश 'किसान दिवस' पर 10,162 कैदियों को माफ किया जिनमें से 7,337 कैदी आतंकवाद रोधी कानून के तहत दोषी ठहराए गए थे।

एक अलग बयान में कहा गया कि इसी कानून के तहत मुकदमों का सामना कर रहे या या छिपे 12,487 लोगों को भी माफी दी जाएगी और उनके खिलाफ उकसावे से जुड़े मामले बंद किए जाएंगे। इस कानून में मृत्युदंड तक का प्रावधान है और 2021 के बाद से इसका इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों, पत्रकारों और असहमति जताने वाले लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजने में व्यापक रूप से किया गया है।

एक अन्य बयान के अनुसार, 10 विदेशी नागरिकों को भी रिहा कर म्यांमा से निर्वासित किया जाएगा।

कैदियों की रिहाई सोमवार से शुरू हुई है, लेकिन इसमें कुछ दिन लग सकते हैं। रिहा किए गए लोगों की पहचान तत्काल उपलब्ध नहीं हो सकी है।

'तुम्बाड-2' की कहानी में बड़ा ट्विस्ट, नवाजुद्दीन सिद्दीकी बने हॉरर फिल्म का हिस्सा

मुंबई/एजेन्सी

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'तुम्बाड' के दूसरे सीज़न में नए किरदार की एंट्री हो चुकी है और फिल्म को और ज़्यादा इंटरेस्टिंग बनाने के लिए फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को महत्वपूर्ण किरदार के साथ फिल्म में लाया गया है। उनका जुड़ना निर्माताओं के लिए एक साहसिक रचनात्मक कदम का संकेत है, क्योंकि अब सीक्वल पहले से और ज्यादा मजेदार होने वाला है। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'तुम्बाड' की सफलता के बाद मेकर्स ने फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने का फैसला लिया था। फिल्म के दूसरे सीजन में विनायक राव का किरदार निभाने वाले सोहम शाह को नवाजुद्दीन सिद्दीकी का हाथ मिल गया है। सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर मजेदार फोटो शेयर की है जिसमें दोनों अभिनेताओं को एक रस्सी के सहारे मस्ती करते देखा जा रहा है। नए किरदार का परिचय कराते हुए सोहम ने लिखा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे समय के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी तुम्बाड-2 से जुड़ गए हैं। इस घोषणा के बाद भावनात्मक रूप से गहन अभिनय शैली के लिए जाने जाने वाले नवाजुद्दीन से सीक्वल की कहानी में जबरदस्त गहराई लाने की उम्मीद है। हालांकि उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि अभिनेता का किरदार मनोवैज्ञानिक तरीके से बहुत मजबूत होने वाला है। घोषणा के बाद फैंस अभिनेता के किरदार और फिल्म के रिलीज के बारे में जानने के लिए बेताब हैं। तुम्बाड-2 का हिस्सा बनकर अभिनेता भी बहुत खुश हैं।

उनका कहना है, मैं हमेशा से ही 'तुम्बाड' की मौलिकता और माहौल बनाने वाली कहानी की खूब तारीफ करता आया हूं। जब सोहम ने सीक्वल का विजन साझा किया, तो मुझे कहानी पसंद आई और मैं उनके साथ इस सफर में जुड़ गया। सोहम शाह और पेन स्टूडियोज के साथ इतने बड़े प्रोजेक्ट पर काम करना वाकई रोमांचक है। मैं जिस किरदार को निभाऊंगा, उसके कई पहलू हैं, और मैं इस जोशीली टीम के साथ इस जीवंत दुनिया को एक्सप्लोर करने के लिए उत्सुक हूं। बता दें कि अभी तक फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही फिल्म की शूटिंग को पूरा कर फ्लोर पर लाया जाएगा। माना जा रहा है कि फिल्म का दूसरा भाग पहले भाग की तुलना में ज्यादा हॉरर और सस्पेंस से भरा होने वाला है।

संयुक्ता ने पुरी जगन्नाथ की अगली फिल्म में तब्बू के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई संयुक्ता, जिन्होंने वाथी, भीमला नायक, कडुवा और विरुपाक्ष जैसी फिल्मों में दमदार परफॉर्मेंस देकर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है, आज के समय में सबसे होनहार सितारों में शुमार की जाती हैं। अब वह तैयार हैं एक और बड़े सिनेमाई धमाके के लिए। निर्देशक पूरी जगन्नाध की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म में वह स्क्रीन शेयर करती नज़र आएंगी आइकॉनिक तब्बू और पावरहाउस एक्टर विजय सेतुपति के साथ। जैसे जैसे इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, संयुक्ता ने हाल ही में तब्बू के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री की एक झलक भी दी। बड़े पैमाने पर बनी इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल में हैं, संयुक्ता फीमेल लीड के रूप में दिखेंगी और तब्बू एक बेहद अहम और इंटेंस किरदार में नज़र आएंगी, जिसकी इंडस्ट्री में खूब चर्चा है। फिल्म का निर्माण चार्ममे कौर और पूरी जगन्नाध ने अपने बैनर पुरी कनेक्टस के तहत किया है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ की तैयारी में है। खुद तब्बू ने इसे साउथ का धमाका बताया है और माहौल भी यही इशारा कर रहा है। हाल ही की बातचीत में संयुक्ता तब्बू की तारीफ करते नहीं थमीं। उन्होंने कहा, वह कुछ अलग ही हैं। जिस अंदाज़ और एनर्जी के साथ वह सेट पर आती हैं, वह बेहद खूबसूरत है। उन्होंने कंदुकोंडेन कंदुकोंडेन जैसी शानदार फिल्म की है, जो मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उसमें वह कमाल लगी थीं और आज भी उतनी ही ग्रेसफुल हैं। जब मैंने उन्हें सेट पर आते देखा तो मैं बस उन्हें देखती रह गई। मुझे पता ही नहीं था कि वह हैदराबाद से हैं। जब उन्होंने शहर के लोगों से बात की तो उनकी हैदराबादी हिंदी सुनकर मुझे बड़ी प्यारी लगी। हमारे बहुत ज्यादा सीन साथ में नहीं थे, लेकिन उनके साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा।

संयुक्ता के लिए, जो आज बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफलताओं के साथ गोल्डन फेज़ में हैं, यह फिल्म सिर्फ एक और प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक खास पड़ाव है। विजय सेतुपति की रॉ इंटेंसिटी, तब्बू की दमदार मौजूदगी और संयुक्ता की तेजी से बढ़ती स्टार पावर मिलकर एक ऐसा सिनेमाई तूफान खड़ा करने वाले हैं जो साउथ के धमाके वाली पहचान को पूरी तरह जस्टिफाई करेगा। आगे का सफर भी उतना ही रोमांचक है। संयुक्ता जल्द ही एक्शन से भरपूर फिल्म बेंज में नजर आएंगी, जो चर्चित लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स में उनकी दमदार एंट्री मानी जा रही है। इसके अलावा तेलुगु प्रोजेक्ट स्वयंभू में भी उनसे एक और यादगार परफॉर्मेंस की उम्मीद की जा रही है। कुल मिलाकर, चैप्टर का यह नया अध्याय सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई उत्सव की शुरुआत लगता है।

रंग, रसिया और रिश्तों की मधुरता से सजा माहेश्वरी रंगोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में 1 मार्च को अरुम्बाक्कम स्थित डी.जी. वैष्णव कॉलेज परिसर में 'रंगोत्सव 2026 – होली स्नेह मिलन समारोह' अत्यंत उत्साह, उल्लास, परंपरा और सांस्कृतिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। पारंपरिक राजस्थानी चंग वादन एवं रसिया की जीवंत प्रस्तुतियाँ समारोह का मुख्य आकर्षण रहीं, जिनकी ताल पर उपस्थित सदस्य झूम उठे। फूलों की होली, महिला गृह उद्योग प्रदर्शनी, मनोरंजक खेल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं विविध गतिविधियों ने कार्यक्रम को बहुआयामी बना दिया।

मंचासीन अतिथियों में कार्यक्रम चेयरमैन जयप्रकाश मालपानी एवं अनुराग माहेश्वरी, सहसचिव जगदीश गोदानी, सचिव संजय मुँदडा, उपाध्यक्ष कमल गोयदानी, पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अशोक जे. मुंधड़ा, मद्रास माहेश्वरी

चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी महेंद्र मोहता, तमिलनाडु-केरल-पॉण्डिचेरी के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी तथा सभा अध्यक्ष गौरी शंकर राठी रहे।

सभाध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की संकल्पना एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया। प्रबंध न्यासी महेंद्र मोहता ने अपने वक्तव्य में होली के सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व को रेखांकित किया। प्रमोद मालपानी और पूर्व अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मुंधड़ा ने समाज की परंपराओं के संरक्षण और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने पर बल दिया। कार्यक्रम संयोजक अनुराग माहेश्वरी एवं जयप्रकाश मालपानी ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। रंगोत्सव परिसर में स्थापित बिजनेस पवेलियन एवं महिला गृह उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया, जिसमें समाज की उद्यमशीलता, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब द्वारा मालपानी-बिसानी एंडोमेंट के अंतर्गत वर्षभर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खेल प्रतिभागियों को चाँदी के मेडल एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समाज के 60 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य, संगीत एवं पारंपरिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

विशेष सम्मान एवं उपलब्धि सम्मान समारोह कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा, जिसमें समाज के गौरव बढ़ाने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। पद्मश्री बाबूजी श्री बंसीलाल जी राठी को एमजीसी जोधपुर 2026 में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महा सभा द्वारा प्रदान किए गए प्रतिष्ठित समाज रत्न पुरस्कार के लिए विशेष सम्मान दिया गया। इसी क्रम में उपलब्धि सम्मान अंतर्गत श्री सिद्धार्थ डागा को ट्रिसर्ग स्टार्टअप-एमजीसी जोधपुर 2026 (ऑल इंडिया एवं नेपाल) में 7,50,000 का प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। साथ ही श्री कृष्ण कुमार बाहेती को ट्रिसर्ग- स्टार्टअप चक्रऋ जोधपुर 2026 (ऑल इंडिया एवं नेपाल) में 10वीं रैंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर, मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष अशोक केडिया, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सीताराम गोयल, रजत के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण टाटिया, शांतिलाल जैन, मुरारीलाल सोनथलिया, नवल राठी, माहेश्वरी महिला मण्डल की अध्यक्ष ममता बागड़ी सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

पूरे परिवार ने एक साथ दीक्षा की ओर बढ़ाया कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/हलोल। नवी मुंबई वाशी निवासी मुमुक्षु अनिल मोहनलाल दुगड़, समता दुगड़, दक्ष दुगड़, प्राकृति दुगड़। एक ही परिवार के चार सदस्यों का चेन्नई आगमन पर मुणोत परिवार द्वारा विशेष अभिनंदन समारोह आयोजन किया। जहां उनके अभिनंदन हेतु चावल से वधावना किया गया। मुमुक्षु द्वारा बहुत ही सुंदर शब्दों द्वारा दीक्षा के विषय में बताया गया। उनके अभिनंदन में मुमुक्षु की भांजी मोक्षा मुणोत और कीर्तिका मुणोत द्वारा संगीत व संवेदना द्वारा अपनी भावना प्रगट की।

एक अनोखे अंदाज में मुणोत परिवार द्वारा मुमुक्षु के हाथों से सिवांची जैन युवा मंडल के तत्व ध्यान में मद्रास पिंजरापोल में विशेष जीव दया का प्रोग्राम आयोजित किया गया। दीक्षा ग्रहण करने वालों को राग, द्वेष,मोह,माया को त्याग करना पड़ता है। दीक्षा केवल वेश परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन की दिशा परिवर्तन है जो अपने मिले मानव जीवन को मोक्ष के मार्ग पर जा सके।

राजस्थानी संघ के कमेटी सदस्यों का चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। प्रवासियों की पुरानी संस्था राजस्थानी संघ में रविवार को अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए जिसमें निर्मल (संतोष) मून्दड़ा विजयी रहे। उनके साथ ही बीस कमेटी सदस्यों का भी चुनाव निर्विरोध हुआ। बाकी तीन सदस्यों को आगामी बैठक में चुना जाएगा। सदस्यों में पवन कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, प्रदीप कर्नानी, दामोदर प्रसाद सोमानी, राजेश कुमार अग्रवाल, सुरेश् चंद जैन, महेन्द्र मेहता, रोबिन बाबेल, जितेन्द्र पुगलिया, अर्पित बोहरा, लोकेश कुमार, नितेश कांकरिया, किशोर गोलेछा, जगदीश भाटी, श्याम सुन्दर पी., पूनम चंद पारेख, ललित कुमार रांका, विक्रम सालेचा, मोतीलाल राठोड़, उत्तम कुमार सेमलानी हैं।

सरस्वती माता को प्रसन्न करना सबसे कठिन : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि जैन परंपरा में फाल्गुनी पूर्णिमा को प्रतिक्रमण करके अहिंसा और क्षमा की आराधना की जाती है। मौजूदा विकट वक्त में अहिंसा और क्षमा से ही धरती को बचाया जा सकता है। प्रियदर्शना महिला मंडल, अंबत्तूर के तत्वावधान में 2 मार्च को आयोजित होली व्याख्यान में डॉ. धींग ने स्वाध्याय के पाँच भेदों में प्रथम वाचना पर व्याख्यान दिया और कहा कि केवलज्ञान से अधिक उपकार श्रुतज्ञान का है। श्रुतज्ञान की रक्षा में समय-समय पर हुई वाचनाओं का ऐतिहासिक योगदान है।

पहली वाचना भगवान महावीर के निर्वाण के 160 वर्ष बाद आचार्य स्थूलभद्र की निश्रा में हुई। स्थूलभद्र के ज्ञान उपकार के कारण की उनका स्मरण मंगलकारी माना जाता है। डॉ. धींग ने कहा कि लोग लक्ष्मी, सरस्वती, पद्मावती, चक्रेश्वरी, दुर्गा, अंबिका आदि अनेक माताओं की आराधना करते हैं, लेकिन सरस्वती माता को प्रसन्न करना सबसे कठिन है यानी ज्ञान की आराधना बेहद मुश्किल कार्य है। उन्होंने कहा कि ध्यान से व्यक्तिगत कल्याण होता है, जबकि ज्ञान से परंपरा आगे बढ़ती है और सबका कल्याण होता है।

श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष महावीरचंद बरमेचा ने डॉ. धींग के व्याख्यान को ज्ञानवर्धक बताया। मंत्री गौतमचंद पोकरणा ने कहा कि डॉ. धींग का व्याख्यान पुरातात्विक गवेषणा से युक्त है। महिला मंडल की अध्यक्ष संगीता बोहरा ने आलोचना और प्रतिक्रमण का महत्व बताया। सरोज बरमेचा और संतोष देशरला ने उपाध्याय केवलमुनि रचित आध्यात्मिक होली का गीत सुनाया। दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ की मंत्री विजया कोटेचा ने मुख्य वक्ता डॉ. धींग का आभार जताते हुए कहा कि स्वयं के दोष देखने वाला आराधक होता है। स्वाध्यायी अमराव बाई पोकरणा ने पचखाण कराए।

जीतो के सदस्यों ने तिम्माप्पना पहाड़ पर की चढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु साउथ और जीतो प्रोफेशनल फोरम ने 'मीट-नेटवर्क-कनेक्ट-सम्मिट और सिनर्जी के तहत ट्रैकिंग बैठक का सफल आयोजन किया।

रामनगर जिले में स्थित कुतुगल तिम्माप्पना बेट्टा की सुबह की इस साहसिक यात्रा ने फिटनेस, साथीपन और ताजगी भरी शुरुआत का एक आदर्श मिश्रण साबित किया। 60+ प्रतिभागियों की उत्साही उपस्थिति के साथ, इस ट्रैक में ऊर्जावान बच्चों, युवा पेशेवरों, उद्यमियों और विभिन्न पृष्ठभूमि के वरिष्ठ सदस्यों का प्रेरणादायक मिश्रण देखा गया। समूह की विविधता ने अनुभव में जीवंतता जोड़ी, ट्रैक को न केवल एक फिटनेस गतिविधि में, बल्कि सार्थक नेटवर्किंग और सामुदायिक बंधन के लिए एक गतिशील मंच में बदल दिया। नेशनल कॉलेज मैदान से शुरू हुए इस आयोजन में प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। जैसे ही समूह ने पहाड़ी पर चढ़ाई की, हर कदम के साथ साथीपन की भावना मजबूत होती गई। प्रोत्साहन, साझा हंसी और आकर्षक बातचीत ने चढ़ाई को आनंददायक और अविस्मरणीय बना दिया। सुबह का मुख्य आकर्षण शिखर पर सूर्योदय था।

इस आयोजन का संचालन जेपीएफ के जीतो बेंगलूरु साउथ संयोजक रौनक गुलेच्छा के नेतृत्व में, कार्यक्रम संयोजक अदिति जैन और खुशबू भंडारी के साथ जेपीएफ समिति के सदस्यों सहित अनेक सदस्यों के समर्पित प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अणुव्रत समिति विजयनगर ने अणुव्रत स्थापना दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां के हम्पीनगर स्थित गणेश पार्क में 78वें अणुव्रत स्थापना दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत, कन्नड़ नाड़ गीत एवं अणुव्रत गीत के सामूहिक गायन से हुआ। अध्यक्ष ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए संगठन की संक्षिप्त कार्य-रिपोर्ट प्रस्तुत की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराना ने सभी को अणुव्रत आचार संहिता के नियमों का संकल्प दिलाया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार छोटे-छोटे नियमों को अपनाकर हम अपने जीवन को शांतिपूर्ण और अनुशासित बना सकते हैं।

हेल्थ इज वेल्थ क्लब से कुमार स्वामी ने भी अणुव्रत के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराना ने अणुव्रत के नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि हम अपने जीवन में अणुव्रत संस्कारों को कलात्मक एवं व्यवहारिक रूप में अपना सकते हैं। सहमंत्री श्रीनिवास ने कन्नड़ भाषा में अणुव्रत आचार-संहिता का वाचन किया।ङ्कईको फेस्टिवल के अंतर्गत सभी उपस्थितजनों को पौधे एवं अणुव्रत डायरी प्रदान की गई। कार्यक्रम में सलाहकार बिमल श्यामसुखा, एलएन डागा, गांधीनगर उपाध्यक्ष चंद्रशेखर, समिति के उपाध्यक्ष पारस दक, कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र पोखरना, संजय पितलिया, नवरतन बैद, भुराराम, सुरेश मांडोत आदि उपस्थित थे। संचालन मंत्री अरिहंत कवाड़िया ने किया। आभार ज्ञान कर्नाटक राज्य पर्यावरण प्रभारी व संगठन मंत्री संपत चावत ने व्यक्त किया।

जयनगर मूर्तिपूजक संघ के प्रांगण में गुरु प्रेम गुणोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां जयनगर के राजस्थान जैन संघ मूर्तिपूजक संघ जयनगर के परिसर में मारवाड़ विजयनगर की धन्यधरा के तपगच्छाधिपति आचार्यश्री विजय प्रेमसूरीश्वरजी महाराज का 107वां अवतरण दिवस मनाया गया। इस मौके पर श्री अबालमुनिजी ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में गुरु का स्थान सर्वोच्च और अत्यंत महत्वपूर्ण है। 'गुरु' का अर्थ है जो 'अंधकार (अज्ञान) को दूर कर प्रकाश (ज्ञान) की ओर ले जाए।

गुरु हमें सही और गलत का अंतर समझाते हैं। गुरु ही हैं जो हमें संस्कार देते हैं और जीवन की चुनौतियों से लड़कर सफलता प्राप्त करने का मार्ग दिखाते हैं। वे हमारे व्यक्तित्व के शिल्पी हैं जो हमें एक बेहतर इंसान बनाते हैं। जब जीवन

की जटिलताएं असहनीय हो जाती हैं तब गुरु ही सही सहारा और दिशा प्रदान करते हैं। हिंदू धर्म में गुरु को ईश्वर से भी उच्च स्थान दिया गया है क्योंकि वे ईश्वर-प्राप्ति का मार्ग दिखाते हैं। इस मौके पर आचार्य श्री विजय भक्तिरत्नसूरीश्वरजी, मुनिश्री भाग्यचंद्र विजयजी, बालमुनि श्री भक्तिदर्शनविजय के सान्निध्य में विशेष अनुष्ठान किए गए। इस प्रसंग पर संघ के अध्यक्ष चंद्रकुमार जैन भेरु, ट्रस्टीगण एवं रोहित गुरुजी आदि उपस्थित थे।

व्हाइटफील्ड में भारतीय राजपूताना सेवा संगठन का होली मंगल मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन द्वारा बेंगलूरु में होली मंगल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम व्हाइटफील्ड क्षेत्र में हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन बेंगलूरु के अध्यक्ष सुनील सिंह एवं स्थानीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में किया गया। ङ्ककार्यक्रम की शुरुआत संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार के संबोधन से हुई। उन्होंने संगठन द्वारा सामाजिक मंच पर संचालित विभिन्न पहलों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी तथा समाज के लोगों से पूर्वजों

का मान-सम्मान बनाए रखने और सदैव राष्ट्रीय हित के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर क्षत्राणियों द्वारा गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना की मनोहारी प्रस्तुति दी गई, जिससे वातावरण भक्तिमय और उत्सवमय हो उठा। इसके पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने क्षत्रिय जीवन मूल्यों, परंपराओं और सामाजिक एकता के महत्व को प्रभावी ढंग से उजागर किया। लोकगीतों और पारंपरिक होली गीतों के माध्यम से समाज के क्षत्रिय एवं क्षत्राणियों ने आपसी प्रेम, भाईचारे और समृद्धि का संदेश दिया।ङ्कसमारोह में राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। बेंगलूरु, व्हाइटफील्ड एवं काठगोदी क्षेत्र से आए समाज बंधुओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक होली मिलन, रंग-अभिनंदन और शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के साथ हुआ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.